अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 217 लखनऊ, रविवार, 22 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

कांग्रेस ने सरकार की विदेश नीति पर उठाए सवाल, अमेरिका के साथ समझौते की आलोचना की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की एक बार फिर आलोचना करते हुए मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाया है। पार्टी ने सरकार से पूछा है कि अमेरिका के साथ समझौता करने से पहले वहां के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया? साथ ही यह भी पूछा कि अब क्या समझौते पर पुनर्विचार होगा? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार नहीं करने की वजह से हम एक जाल में फंस गए। इसके चलते हमने अमेरिका को बहुत ज्यादा रियायत दे दी। व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि हमने भारत के कृषि क्षेत्र को अमेरिकी सामानों के लिए खोल दिया, 500 अरब डॉलर की खरीद और रूस से तेल नहीं खरीदने का वादा कर दिया।

राष्ट्रीय सुरक्षा हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी: सीडीएस चौहान

श्रीनगर गढ़वाल। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान शनिवार को उत्तराखंड के श्रीनगर गढ़वाल पहुंचे। उन्होंने यहां हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के चौरास परिसर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भाग लिया और राष्ट्रीय सुरक्षा व समसामयिक विषयों पर छात्र-छात्राओं से संवाद किया। अपने संबोधन में जनरल चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सेना का दायित्व नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है, जिसकी शुरुआत विद्यालयों और विश्वविद्यालयों से होनी चाहिए। उन्होंने भारत की सामरिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्रीय तत्व बताया।

प्रधानमंत्री मोदी नहीं होते तो आज भी तीन तलाक खत्म न हो पाता: आरिफ खान

नई दिल्ली। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं होते तो आज भी तीन तलाक खत्म न हो पाता। प्रधानमंत्री ने तीन तलाक को खत्म कर मुस्लिम बहनों के लिए बड़ा काम किया है। वे शनिवार को वरिष्ठ संपादक आलोक मेहता द्वारा लिखित शुभी पब्लिकेशंस की कॉफी टेबल बुक रेवोल्यूशनरी राज - नरेन्द्र मोदी के 25 साल के विमाचन पर अपने विचार रख रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गोधरा कांड के समय वे खुद भी मोदी के आलोचक रहे हैं, लेकिन जब चार महीने खुद गुजरात जाकर लोगों से मिले तो उनके खुद के विचार प्रधानमंत्री मोदी के प्रति बदल गये।

विकसित भारत के लिए स्वदेशी चिप बेहद जरूरी : मोदी

● जेवर में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश के जेवर में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट 'इंडिया चिप' का शिलान्यास किया। यह परियोजना एचसीएल और फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम के रूप में स्थापित की जा रही है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया भारत को टेक्नोलॉजी के भविष्य के केंद्र के रूप में देख रही है और भारत सॉफ्टवेयर के साथ-साथ हार्डवेयर के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य पर तीव्र गति से कार्य कर रहा है। उन्होंने लाल किले से दिए अपने संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पास रुकने या ठहरने का समय नहीं है। वर्ष 2026 की शुरुआत से ही देश ने विकास की रफ्तार और तेज कर दी है।

12 जनवरी को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में लाखों युवाओं की भागीदारी, 16 जनवरी को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस का आयोजन और इंडिया एनर्जी समिट जैसे कार्यक्रमों ने भारत की क्षमता को वैश्विक मंच पर मजबूती से प्रस्तुत किया है। हाल ही में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' में विश्व के अनेक राष्ट्राध्यक्षों और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गजों की उपस्थिति ने भारत के एआई सामर्थ्य को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक विश्व को संचालित करने के लिए जिस प्रोसेसिंग पावर की आवश्यकता है, उसमें भारत शीर्ष देशों की पंक्ति में आने का प्रयास कर रहा है। भारत सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों पहलुओं पर समान रूप से काम कर रहा है।

उत्तर प्रदेश का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का प्रमुख केंद्र बनना हम सभी के लिए गर्व की बात है। एचसीएल और फॉक्सकॉन की यह नई फैक्टरी राज्य को टेक्नोलॉजी पावरहाउस के रूप में नई पहचान देगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सांसद के रूप में यह उनके लिए विशेष गर्व का क्षण है।प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित होती है, वहां डिजाइन सेंटर, अनुसंधान एवं विकास केंद्र और स्टार्टअप इकोसिस्टम भी विकसित होते हैं। इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि यह दशक भारत का 'टेक-एड' है और 21वीं सदी में ग्रीन एनर्जी, स्पेस टेक्नोलॉजी, डिजिटल इनोवेशन, मैन्युफैक्चरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भारत अभूतपूर्व निवेश कर रहा है।उन्होंने बताया कि भारत ने सेमीकंडक्टर मिशन के तहत अब तक 10 फैब्रिकेशन और पैकेजिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें से चार शीघ्र उत्पादन शुरू करने वाली हैं।

वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में आगे बढ़ रहा है भारत : योगी

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप भारत समग्र विकास के नए प्रतिमान स्थापित करते हुए वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होने कहा कि इसी क्रम में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के जेवर में 3700 करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर परियोजना 'इंडिया चिप' का शिलान्यास प्रधानमंत्री के कर-कमलों से होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा मिला, जिससे राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बना। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में सरकार बनने के बाद 'फियरलेस बिजनेस' और 'ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस' का मजबूत इकोसिस्टम स्थापित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत इमर्जिंग टेक्नोलॉजी का वैश्विक हब बन रहा है। 'सेमीकॉन इंडिया 2025' में प्रधानमंत्री द्वारा कही गई पंक्ति ब्लऑयल वॉज ब्लैक गोल्ड, बट चिप इज डिजिटल डायमंड आज की अर्थव्यवस्था की दिशा स्पष्ट करती है। उनके अनुसार 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था चिप आधारित तकनीक पर निर्भर है और भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश को मिलेगी बड़ी सौगात, ऐतिहासिक हो प्रधानमंत्री का कार्यक्रम: : मुख्यमंत्री योगी

● मेरठ पहुंचकर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार दोपहर मेरठ पहुंचे। उन्होंने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल, रेलवे स्टेशन आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि नमो भारत रैपिड रेल के विस्तार और मेरठ मेट्रो का शुभारम्भ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहरी और औद्योगिक विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा। यह परियोजना न केवल तेज, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन उपलब्ध कराएगी, बल्कि दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी यूपी के बीच आर्थिक, शैक्षणिक और औद्योगिक गतिविधियों को नई गति देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम में एक लाख से अधिक लोगों की सहभागिता संभावित है। इसकी महत्ता व बड़ी जनभागीदारी को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुचारु, सुरक्षित और पूर्णतः व्यवस्थित हों।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग स्थल, यातायात प्रबंधन को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल व आसपास सीसीटीवी कैमरों की पर्याप्त व्यवस्था, बहुस्तरीय और समन्वित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा और सुगमता में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

तेरह हजार करोड़ लागत की कई परियोजनाओं का उपहार देंगे प्रधानमंत्री रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 हजार 930 करोड़ से निर्मित दिल्ली में सराय काले खां से न्यू अशोक नगर तक (पांच किमी.), मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो रेल सेवा राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी मेरठ के मोहिउद्दीनपुर रैली ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में यह उपहार देंगे।

प्रधानमंत्री शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यहां से वे मेरठ साउथ स्टेशन तक मेट्रो का सफर करेंगे। प्रधानमंत्री मेरठ में जनसभा को भी सम्बोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दिनेश खटिक, मेरठ के सांसद अरुण गोविल, महापौर हरिकांत अहलूवालिया, विधान परिषद सदस्य अश्विनी त्यागी, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसौदिया समेत स्थानीय जनपद-पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे।

एआई इम्पैक्ट समिट का समापन, 88 देशों-संगठनों ने किए घोषणापत्र पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के घोषणा पत्र पर दुनिया के 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने सहयोगात्मक, विश्वसनीय, लचीले एवं कुशल एआई के लिए एक साझा वैश्विक दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए हस्ताक्षर किए। इसमें एआई के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने वाले सभी इसमें वैश्विक मंच, सिद्धांत और सहयोगात्मक तंत्र की 7 घोषणाएं हैं। साथ ही सम्मेलन के माध्यम से भारत ने समानता, पहुंच और वैश्विक सहयोग में निहित 'सभी के लिए एआई' के आह्वान का नेतृत्व किया है।

इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि नई दिल्ली घोषणा पत्र में सम्मेलन के सात आधार स्तंभों पर आधारित सात वैश्विक उपलब्धियां हैं। यह हैं- लोकतांत्रिक प्रसार पर घोषणापत्र, वैश्विक प्रभाव साझा मंच, विश्वसनीय प्रणालियों का साझा भंडार, वैज्ञानिक सहयोग का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, सामाजिक सशक्तीकरण मंच, कार्यबल विकास मार्गदर्शिका, लचीली एवं कुशल एआई के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत।

ऐतिहासिक धरोहरों पर गर्व करें युवा, संरक्षण में निभाएं सक्रिय भूमिका : जयवीर

- युवाओं को विरासत से जोड़ने की अनूठी पहल, लखनऊ में 'यूथ हेरिटेज लीडरशिप प्रोग्राम' का हुआ आयोजन
- छतर मंजिल से जरनैल कोठी तक, छात्रों ने जाना लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों का महत्व

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय विरासत के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को एक दिवसीय 'यूथ हेरिटेज लीडरशिप प्रोग्राम' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय (संस्कृति विभाग) की ओर से आयोजित किया गया। भारतीय संस्कृति और विरासत के संरक्षण व प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से चल रहे कार्यक्रमों की इसी श्रृंखला में यह पहल की गई। कार्यक्रम का आयोजन इतिहास संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के महत्व से परिचित कराना और उन्हें विरासत संरक्षण के लिए नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करना था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। विद्यार्थियों ने राजधानी लखनऊ की छतर मंजिल और जनरल कोठी, कैसरबाग का भ्रमण किया। इस दौरान इन स्थलों के इतिहास, स्थापत्य शैली और संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी सरल और स्पष्ट भाषा में दी गई, ताकि छात्र इन धरोहरों को बेहतर तरीके से समझ सकें। इस दौरान निदेशक रेनू द्विवेदी ने विद्यार्थियों को विरासत की परिभाषा, स्वरूप, प्रकृति और उसकी पहचान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने संवाद के माध्यम से समझाया कि सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। साथ ही विद्यार्थियों को अपनी विरासत के प्रति जागरूक, संवेदनशील और जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम पर अपने विचार प्रकट करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ऐतिहासिक इमारतों का भ्रमण कराना नहीं है, बल्कि युवाओं को अपनी विरासत से भावनात्मक रूप से जोड़ना है। ताकि वे इन धरोहरों को समझें और उन पर गर्व करें। उन्होंने बताया विरासत केवल अतीत की याद नहीं, बल्कि हमारी पहचान और भविष्य की दिशा भी है। इसलिए युवा पीढ़ी जागरूक और संवेदनशील बनकर सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस मौके पर जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालक विद्यालय और जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय के कक्षा 9वीं और 11वीं के लगभग 70 छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में इतिहास संस्थान से सुयशा सहित पुरातत्व निदेशालय के अधिकारी, शिक्षकगण और विद्यालय के कर्मचारी भी मौजूद रहे। यह कार्यक्रम युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

केसरिया हिंदू वाहिनी का राष्ट्रीय अधिवेशन लखनऊ में होगा आयोजित

- 30 राज्यों के 500 पदाधिकारी होंगे सम्मिलित
- रघुराज प्रताप सिंह (राजा भैया) एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कई मंत्री होंगे सम्मिलित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। देश के सबसे बड़े हिंदू संगठनों में से एक केसरिया हिंदू वाहिनी का सातवां राष्ट्रीय अधिवेशन लखनऊ में 29 मार्च को होना सुनिश्चित हो गया है। जिसमें लगभग पूरे भारत से 500 वरिष्ठ साथी उपस्थित हो रहे है। देश के सभी राज्यों से इसमें राष्ट्रीय स्तर और प्रदेश स्तर के पदाधिकारी भी इस कार्यक्रम में अपनी टीम के साथ शिरकत करेंगे। इस मौके पर आयोजित प्रेस वार्ता में बताया गया कि ये कार्यक्रम एक परिचय कार्यक्रम है,जिसमें लगभग देश के अच्छे अच्छे संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी बुलाया गया है। लगभग 50 एनजीओ को भी सम्मानित करने का लक्ष्य इस कार्यक्रम में है। कार्यक्रम बहुत ही भव्य और विशाल रूप ले रहा है,ज़िसको लेकर सभी राज्यों में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सूचनाएं देने का कार्य चल रहा है। केसरिया हिंदू वाहिनी के संस्थापक अतुल मिश्रा जी ने फोन पर बताया कि राजा भैया के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों के,अयोध्या से महंत राजू दास जी,उत्तर प्रदेश में समाजसेवा की मिशाल अभिषेक गुप्ता बबलू भैया जी,हिंदू हृदय सम्राट महंत बजरंग मुनि दास जी इस कार्यक्रम में पहुंचकर हमारे पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के बड़े पदाधिकारियों का जमघट लगेगा, सबका एक दूसरे से परिचय होगा। आने वाले समय में हमारा सनातन कैसे मजबूत हो,इस पर कार्य होगा। ये एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम होगा,जिसके लिए तैयारी लखनऊ में बहुत जोर शोर से चल रही है ।

देश की गरिमा व छवि को बिगाड़ना उचित नहीं : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने नई दिल्ली में हुए एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेस की यूथ विंग के विरोध प्रदर्शन करने को लेकर कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अति-अशोभनीय व निन्दनीय करार देते हुए कहा है कि इस प्रकार के अन्तर-राष्ट्रीय कार्यक्रमों में इस प्रकार के आचरण से देश की गरिमा एवं छवि को प्रभावित करता है, यह उचित नहीं है। बसपा प्रमुख ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट', जिसमें देश व विदेश के भी काफी प्रमुख लोग आमंत्रित थे। यह इवेन्ट अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्ख़ियों में था। इस दौरान जिन भी लोगों ने अर्द्धनग्न होकर अपना रोष प्रकट किया है,जिसमें अधिकतर कांग्रेसी युवा बताये जा रहे हैं। वह अति-अशोभनीय व निन्दनीय है। उन्होंने आगे लिखा है कि अगर यह सम्मेलन अन्तरराष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, किन्तु समिट के दौरान ऐसा आचरण करना यह चिन्ता की बात है। अर्थात अपने देश की गरिमा व छवि को ना बिगाड़ा जाये तो यह उचित होगा।

'लखनऊ दर्शन' बस में फिर शामिल हुई विधान भवन की सैर

- इतिहास के साथ लोकतंत्र को भी समझेंगे पर्यटक, सरकार पर्यटन विस्तार को प्रतिबद्ध: मंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का बजट सत्र समाप्त होते ही विधान भवन की सैर करने वाले पर्यटकों के लिए एक बार फिर से 'लखनऊ दर्शन' बस सेवा शुरू कर दी गई है। बजट सत्र के दौरान सुरक्षा कारणों से विधानसभा भ्रमण अस्थायी रूप से रोक दिया गया था, लेकिन अब लोकतंत्र का यह दरबार आम लोगों के स्वागत के लिए फिर से तैयार है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को बताया कि, भव्य स्थापत्य, विशाल गुंबद और ऐतिहासिक महत्व से भरपूर विधानसभा भवन राजधानी की पहचान है। इसके दोबारा टूर में शामिल होने से 'लखनऊ दर्शन' और भी आकर्षक हो गया है। लखनऊ दर्शन बस के प्रमुख स्थलों में एक जीपीओ भी है। जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। 9 अगस्त 1925 को काकोरी में सरकारी खजाना लूट की घटना के बाद अंग्रेज सरकार ने इसे बगावत मानते हुए करीब 40 क्रांतिकारियों को गिरफ्तार किया। सुरक्षा कारणों से लखनऊ के तत्कालीन रिंग थियेटर (आज का जनरल पोस्ट ऑफिस लखनऊ) में विशेष अदालत बनाई गई, जहां लगभग 10 महीने तक मुकदमा चला। अदालत ने राम प्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खान को फांसी, जबकि शचीन्द्रनाथ सान्याल को कालापानी और मन्मथनाथ गुप्त सहित अन्य को कठोर कारावास की सजा सुनाई। आज भी यहां पुरानी निशानियां म्यूजियम में हैं जो पर्यटकों को दिखाई जाती हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि बजट सत्र की समाप्ति के साथ ही उत्तर प्रदेश विधानसभा का भ्रमण दोबारा शुरू किया जा रहा है। 'लखनऊ दर्शन' इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस सेवा के जरिए पर्यटक अब राजधानी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक विरासत को करीब से देख सकेंगे। विधानसभा भवन के पुनः शामिल होने से इस टूर का आकर्षण और बढ़ेगा। हमारी सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ लोगों को प्रदेश की समृद्ध परंपराओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) की 'लखनऊ दर्शन' इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस सेवा प्रतिदिन सुबह और शाम दो पालियों में 1090 चौराहे से संचालित होती है, जो पर्यटकों को राजधानी के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्थलों का भ्रमण कराती है। विधानसभा भवन दोबारा शामिल होने से टूर का आकर्षण और बढ़ गया है। टिकट आधिकारिक वेबसाइट या प्रस्थान स्थल से ली जा सकती है। किराया वयस्कों के लिए पांच सौ और बच्चों के लिए चार सौ रुपये निर्धारित है। बस में प्रशिक्षित टूर गाइड जानकारी देते हैं और इलेक्ट्रिक बस होने से सफर पर्यावरण के अनुकूल व आरामदायक रहता है।

'दुर्लभ न्यूरो-इंटरवेंशनल प्रक्रिया से ढाई वर्ष की बच्ची को मिल नया जीवन'

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक एक अत्यंत जटिल और दुर्लभ न्यूरो-इंटरवेंशनल प्रक्रिया इंट्राक्रेनियल कैथेटर डायरेक्टेड थ्रोम्बोलाइसिस कर ढाई साल की बच्ची की जान बचाई। यह उन्नत मस्तिष्क प्रक्रिया उत्तर प्रदेश में पहली बार की गई। इस प्रक्रिया को इंटरवेंशनल न्यूरो-रेडियोलॉजिस्ट डॉ. देवांश मिश्रा ने इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी टीम के डॉ. अर्पित टौंक और डॉ. अमोल श्रीवास्तव के साथ मिलकर पूरी की। बच्ची को अचानक बेहोशी, हाथ-पैरों में लकवा जैसे लक्षण और बार-बार बेहोश होने की स्थिति में गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। आपातकालीन जांच में एमआरआई, सीटी स्कैन और एंजियोग्राफी से मस्तिष्क की गहरी शिरा में खछून का थक्का पाया गया। इस स्थिति को सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस कहा जाता है, जो समय पर उपचार न मिलने पर गंभीर मस्तिष्क को गहरे नुकसान या मृत्यु का कारण बन सकती है।बाल रोग विभाग की टीम ने प्रारंभ में स्टैंडर्ड इलाज शुरू किया। जिसमें डॉ. सिद्धार्थ कुँवर, डॉ. सिद्धार्थ और डॉ. निशांत गोपाल शामिल रहे। लेकिन स्थिति की गंभीरता और सीमित सुधार को देखते हुए चिकित्सकों ने इंट्राक्रेनियल कैथेटर डायरेक्टेड थ्रोम्बोलाइसिस करने का फैसला लिया। इतनी कम उम्र के मरीज में यह प्रक्रिया बेहद दुर्लभ मानी जाती है।प्रक्रिया के दौरान पैर में एक छोटा छेद कर सूक्ष्म कैथेटर डाला गया और उसे रक्त वाहिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क की प्रभावित गहरी शिरा तक सावधानीपूर्वक पहुंचाया गया। इसके बाद थक्का घोलने वाली दवा सीधे उसी स्थान पर दी गई। चार दिनों तक लगातार निगरानी के साथ सीटी स्कैन और एंजियोग्राफी की गई, जिसके बाद थक्का पूरी तरह घुल गया। इसके बाद बच्ची को इंटेंसिव केयर में रखा गया, धीरे-धीरे वेंटिलेटर से हटाया गया और विशेष चिकित्सा देखरेख जारी रही।

लखनऊ में यूजीसी के खिलाफ सवर्णों ने प्रदर्शन किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित परिवर्तन चौक पर शनिवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर सवर्ण मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। भीड़ को काबू में करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही।

प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के लागू किए गये नियम पूरी तरह से भेदभावपूर्ण बताते हुए सरकार को तत्काल वापस लेने की मांग की है। परिवर्तन चौक से शुरू हुआ यह प्रदर्शन गांधी प्रतिमा की ओर बढ़ रहा था। लेकिन पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग लगाकर रोकने का प्रयास किया तो इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई। सवर्ण मोर्चा के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए लखनऊ में सुरक्षा के जबरदस्त इंतज़ाम किए गए थे। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में ठूंसकर हिरासत में लिया और ईको गार्डन भेज दिया। इससे सड़क पर वाहन जाम हो गये और लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

उप्र विधानसभा के सुरक्षा सहायक शैलेश कुमार कुश्ती टीम में चयनित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा की सुरक्षा सेवा में तैनात सुरक्षा सहायक शैलेश कुमार का वर्ष 2025-26 में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज कुश्ती प्रतियोगिता के लिए प्रदेशीय कुश्ती टीम में चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता 26 से 28 फरवरी 2026 तक हिमाचल प्रदेश के मंडी में आयोजित होगी। विधानसभा सुरक्षा में अपनी सजग सेवाओं के लिए पहचाने जाने वाले शैलेश कुमार के कुश्ती कोच एवं खिलाड़ी के रूप में हुए इस चयन से न केवल यूपी विधानसभा की प्रतिष्ठा बढ़ी है, बल्कि प्रदेशीय कुश्ती दल को भी एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी का साथ मिला है। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनके अनुशासन, अनुभव और समर्पण का सकारात्मक प्रभाव प्रतियोगिता में अवश्य दिखाई देगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना सहित विधानसभा के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

नाइस फिल्म प्रोडक्शन ने निभाए अपने वादे

लखनऊ। नाइस फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले आयोजित इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो सीजन-01 के ग्रैंड फिनाले (16 अगस्त 2025) में किया गया वादा अब हकीकत बन चुका है। शो के दौरान घोषणा की गई थी कि जो भी प्रतिभागी इस मंच से विजेता या रनर-अप बनकर निकलेंगे, उन्हें म्यूजिक वीडियो एल्बम के माध्यम से लॉन्च किया जाएगा कृ और नाइस फिल्म प्रोडक्शन ने इस वादे को पूरा कर दिखाया है।सीजन-01 के प्रतिभागियों को मौका देते हुए अब तक 4 से अधिक म्यूजिक एल्बम लॉन्च किए जा चुके हैं, जिनमें सिंगिंग, मॉडलिंग, एक्टिंग और किड्स कैटेगरी के प्रतिभाशाली बच्चों को बड़ा प्लेटफॉर्म मिला है। लॉन्च हुए प्रमुख म्यूजिक एल्बम 'हवा हो गए' अमरेंद्र सिंह व शीतल कुशवाहा ने लीड रोल निभाया। 'तेरा लाल लहंगा' किड्स कैटेगरी के फर्स्ट विनर एलिस रिहान सहित डांसिंग-मॉडलिंग के प्रतिभागी रुद्र प्रताप सिंह, इनाया दहल, आर्यन खान, अर्णव खान और अंशुमान गुर्जर ने लीड रोल किया। कभी तुम्हें दृ सिंगिंग कैटेगरी के विजेता ज्ञानेंद्र तिवारी और लीना चौहान की आवाज में रिलीज।

अब दुर्दिन की कहानियां नहीं, विकास की इबारत लिख रहा शाहजहांपुर

- योगी सरकार ने दिया विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज का उपहार, जरी-जरदोजी को मिली अंतरर्राष्ट्रीय पहचान
- युवाओं को रोजगार महिलाएं आत्मनिर्भर समावेशी विकास से जिले ने लगाई तरक्की की छलांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ/शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश का शाहजहांपुर वह जिला है जहां के क्रांतिकारी सरफरोशी की तमन्ना लेकर आजादी की लड़ाई में कूदे थे। लेकिन वही आजादी मिलने के बाद हुक्मरानों ने इसे पूरी तरह भुला दिया। यह जिला उसके बाद उम्मीदें पालता रहा और निराश होता रहा। लेकिन, अब इस जिले के पास अपनी पहचान के लिए बहुत कुछ है। पिछले नौ सालों में इसने एक मेडिकल कॉलेज पाया है, इसका अपना एक विश्वविद्यालय होने जा रहा है। सीमेंट कंपनी समेत कई औद्योगिक कारखाने हैं और जरी-जरदोजी का जो हस्तशिल्प दम तोड़ने की कगार पर पहुंच चुका था, वह अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उड़ान भर रहा है। इन सबसे ऊपर है गंगा एक्सप्रेस वे जो पूरे जिले में विकास की नई गाथा लेकर आया है। जी हां, यह वही शाहजहांपुर है जो अब परिवर्तन की कहानी का प्रतीक है, सुरक्षा और सुशासन से आर्थिक समृद्धि का प्रतीक है। यह बदलाव एक दिन में नहीं हुआ है बल्कि इसके पीछे योगी आदित्यनाथ सरकार की वह दृढ़ इच्छाशक्ति है जिसने इस जिले का कायापलट कर दिया। अब बातें उनकी जो नई पहचान हैं। जिले का विख्यात और प्राचीन स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज अब विश्वविद्यालय के रूप में पहचाना जाएगा। योगी आदित्यनाथ सरकार के इस फैसले से यहां के छात्र और छात्राएं बहुत उत्साहित हैं। इसी कालेज से एमए करने वाली निशा कहती हैं- 'पहले हमें उच्च शिक्षा के लिए बरेली या लखनऊ जाना पड़ता था लेकिन अब यूनिवर्सिटी बन जाने से यहीं सारी सुविधाएं मिल जाएंगी। यह यहां की बड़ी उपलब्धि है। मां-बाप अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सशंकित नहीं रहेंगे। आज हम बिना भय के शहर में कहीं भी आ जा सकते हैं लेकिन पहले ऐसा नहीं था।' राजनीति विज्ञान से एम.ए. करने वाले उपेंद्र सिंह कहते हैं-'योगी सरकार युवाओं की शिक्षा और रोजगार के लिए जितना कर रही है उतना किसी भी सरकार ने नहीं किया है। शाहजहांपुर को यूनिवर्सिटी मिलने से हमारे जैसे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों में उम्मीद की किरण जगी है। जरी जरदोजी ने तो यहां के कारीगरों को जैसे जीवनदान दे दिया है। योगी सरकार की ओडीओपी योजना यहां के कारीगरों के लिए नई जिंदगी बन गई। ये कला लगभग विलुप्त हो चुकी थी लेकिन वर्तमान सरकार ने इसको दोबारा जीवित किया। इस व्यवसाय से जुड़े मोहम्मद यासीन खान बताते हैं- 'उनका परिवार कढ़ाई की इस कला से काफी अरसे से जुड़ा है लेकिन मांग कम होने के कारण हताश हो गए थे। लेकिन योगी सरकार ने ओडीओपी के माध्यम से इस कला और हमारे जैसे कारीगरों को जीवनदान दिया है। आज हमारे इस उत्पाद की मांग न केवल देश में है बल्कि दुबई और सऊदी अरब से भी डिमांड आ रही है। पहले हमारे पास 4-5 कारीगर थे अब 50 कारीगर काम कर रहे हैं। हम लोग डिमांड नहीं पूरी कर पा रहे हैं। हमारी कमाई भी सात से आठ गुना बढ़ गई है। यासीन कहते हैं-'इस सरकार ने वास्तव में पुरानी कलाओं को उसका गौरव वापस किया है। हमारे यहां के कारीगर भी अब हर महीने 25 से 30 हजार रुपये कमा लेते हैं। सरफरोशी की तमन्ना रखने वाले आजादी की लड़ाई के रणबांकुरे पं. राम प्रसाद बिस्मिल को असली सम्मान अब हासिल हुआ है। योगी सरकार ने उनके नाम पर जिले को मेडिकल कॉलेज का उपहार दिया है। मेडिकल कॉलेज का इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं विश्वस्तरीय हैं। करोड़ों की लागत से लैब का निर्माण किया गया है। यहां पर राज्य के छात्र तो एमबीबीएस की डिग्री हासिल ही कर रहे हैं बल्कि दूसरे राज्यों के भी छात्र यहां से डिग्री प्राप्त कर रहे हैं। प्रिंसिपल डॉ. राजेश कुमार बताते हैं-'100 बेड का हॉस्पिटल बनने से यहां के मरीजों को अब दूसरे जिलों में नहीं जाना पड़ता। बड़ी से बड़ी बीमारी का इलाज यहां उपलब्ध है। शाहजहांपुर के पास आज वो हर सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्चर हैं जो एक मॉडर्न सिटी के पास होनी चाहिए। जिले से गंगा एक्सप्रेस वे जुड़ रहा है जो यहां के लोगों की पहुंच को आसान बना रहा है। औद्योगिक गलियारा का विकास तेजी से हो रहा है। अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री, चीनी मिल और अन्य फैक्ट्रियों में हजारों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में सरकारी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। विश्वकर्मा योजना की लाभार्थी सुनीता पांडे बताती हैं-'विश्वकर्मा योजना की वजह से ही आज मैं अपने पैरों पर खड़ी हूं और स्वावलंबी बनकर अपने परिवार का सहारा बनी हूं।' सरकार ने सुनीता जैसी अनेक महिलाओं को दर्जी के काम में प्रयोग होने वाला किट दिया है। ड्रोन दीदी के रूप में भी महिलाएं खेतों में फर्टिलाइजर का छिड़काव करके बढ़िया धनार्जन कर रही हैं। है। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताते हैं-'जिले में लॉ एंड ऑर्डर का विशेष ध्यान रखा गया है। जनसुनवाई के दौरान पीड़ितों को तुरंत मदद पहुंचाया जाता है। जिला प्रशासन 24 घंटे एक्शन मोड में रहता है'' यही वजह है कि शाहजहांपुर अब विकास की दौड़ में तेजी से फरीटे भर रहा है। गन्ना और आलू किसानों की परेशानी के दिन बीत चुके हैं।

राज्यपाल ने सात दिवसीय महाविद्यालय के महोत्सव का किया शुभारम्भ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। केन सोसाइटीज नेहरू महाविद्यालय (सी०एस०एन० पी०जी० कॉलेज) की सात दिवसीय हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। महाविद्यालय की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने पर यह आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। महाविद्यालय परिसर पहुंचने पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने संविधान निर्माता डॉ० बी०आर० अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद उन्होंने कॉलेज परिसर में नवनिर्मित प्रखंड भवन का लोकार्पण किया। उद्घाटन सत्र में राज्यपाल और उच्च शिक्षा मंत्री ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर सात दिवसीय महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। राज्यपाल ने महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न अकादमिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रों व शिक्षकों से संवाद भी किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कॉलेज के 60 वर्षों के सफर पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने तथा महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी ने राज्यपाल का स्वागत किया और महाविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेंद्र सिंह ने राज्यपाल को कॉलेज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराया।

राज्यपाल के आगमन को देखते हुए कॉलेज प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। यह सात दिवसीय महोत्सव 27 फरवरी तक चलेगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विद्वान और पूर्व छात्र भी शामिल होंगे।

कल्याणकारी योजनाओं के पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर लाभान्वित करायें: अनुनय झा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। तहसील सण्डीला में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अनुनय झा ने समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये के भारत एवं प्रदेश सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं के पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर लाभान्वित करायें और प्रत्येक दिन प्रात:10 बजे से 12 बजे कार्यलय में विभागीय योजनाओं एवं अन्य समस्याओं के निदान के लिए आने वाले फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से लें और उचित समस्याओं का समय पर निस्तारण सुनिश्चित करें।

समाधान दिवस में विकास एवं निर्माण कार्यो के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये समस्त विकास एवं निर्माण कार्यो को शासन द्वारा निर्धारित समय में गुणवत्ता पूर्ण एवं मानक के अनुरूप पूरा करायें। गरीबों एवं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त कानूनगों व लेखपालों को निर्देश दिये ऐसी शिकायतों पर विशेष ध्यान दें और सभी प्रकार की भूमि किये गये अवैध कब्जों को उच्च अधिकारियों को संज्ञान में देते हुए खाली करायें और अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करायें। विद्युत संबंधी शिकायतों के संबंध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि खराब तार एवं ट्रास्फारमरों को तत्काल ठीक करायें तथा विद्युत उपभोक्ताओं बिजली बिल आदि समस्याओं का सही निराकरण करायें। राशन वितरण में अनियमिताओं की शिकायत पर उन्होने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षकों के माध्यम से कोटेदारों की जांच करायें और अनियमितता करने वालों विरूद्ध कार्यवाही करें। पेंशन संबंधी शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन निराश्रित महिला, वृद्धावस्था एवं दिव्यांगजनों की पेंशन किसी कारण बन्द हो गयी है उनकी जांच कराकर पात्र लोगों की पेंशन बहाल करायें। अन्य विभागों की प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिये सभी शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता परक समय पर करायें। सम्पूर्ण समाधान में पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने उपस्थित थानाध्यक्षों को निर्देश दिये आगामी होली पर्व एवं अन्य त्यौहारों को ध्यान में रखतें हुए सर्तक रहें और क्षेत्र में अफवाह एवं आराजकता फैलाने वालों को पहले से चिन्हि कर, चेतावनी दें त्यौहार पर किसी प्रकार अफवाह एवं आराजकता फैलाने की कोशिश की तो कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा रात्रि गस्त बढ़ायें और क्षेत्र की हर जानकारी के लिए बीट सिपाही एवं चौकीदारों से प्रत्येक दिन जानकारी लें और अवैध भूमि कब्जा मुक्त कराने में राजस्व टीम का सहयोग करें। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने तहसील कार्यालयों का निरीक्षण किया तथा संबंधित पटल अभिलेखागारों को निर्देश दिये कि सभी व्यवस्थाये दो दिन में सुधार लें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 भावनाथ पाण्डे, उप जिलाधिकारी नारायणी भाटिया, पीडी, जिला विकास अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य सभी जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, सीडीपीओ, सीओ व थानाध्यक्ष आदि उपस्थित रहें।

स्वच्छ भारत की राह में संतूर का कदम, जागरूकता अभियान आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश देते संतूर कंपनी के लोग फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। देश के सबसे ज्यादा बिकने वाले साबुन की कंपनीयों में शामिल संतूर ने स्वच्छता के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को आसपास के गाँव गलियों व मोहल्लों में भीड़भाड़ वाले मुख्य बिन्दुओं पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया!

कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता का अभियान चलाकर कलाकारों ने लोगों को स्वच्छता के लाभ गिनाये व ऐसा न करने से बीमारियों को आमंत्रण देने जैसा बताया! उन्होंने बताया की हमें प्रतिदिन स्नान करके शरीर को साफ रखना चाहिए व विशेषकर हाथों की सफाई पर विशेष ध्यान रखना चाहिए! उपस्थित लोगों कार्यक्रम की सराहना की एवं स्वच्छता के बारे में विस्तार पूर्वक समझा! कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की संख्या काफी अच्छी रही! कार्यक्रम में उपस्थित कंपनी के सीईओ सूरज तिवारी ने बताया कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत आदत ही नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है उन्होंने लोगों से अपने शरीर के साथ-साथ आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ रखने की अपील की! उन्होंने बताया कि कंपनी द्वारा ऐसे कार्यक्रम समय समय पर आयोजित होते रहेंगे ताकि समाज में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हो!

कुंभकरण वध की लीला का किया गया मंचन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। भगवान श्री रामचंद्र जी के चरित्र में वृंदावन से आए हुए सुन्दर कलाकारों द्वारा कुंभकरण वध की लीला का मंचन किया गया, जिसमें रावण को जब ज्ञात हुआ तो सभी सेवकों को साथ लेकर कुंभकरण के पास गए और उनको काफी कोशिश करने के बाद जगाया, तब जाग कर कुंभकरण रावण को ज्ञान देने लगा तभी रावण ने उसकी मति भ्रमित करने को मांस मंगवाया मदिरा मंगवाई और कुंभकरण को पिलाया खिलाया जब बुद्धि भ्रष्ट हुई तो रामा दल में भेज दिया लड़ने को कुंभकरण और राम जी का घोर घमासान युद्ध हुआए अंत में राम जी ने कुंभकरण का वध कर दिया और इसी तरह एक और पापी का उद्धार हुआ! मुख्य आयोजक-राम प्रकाश शुक्ला, श्रीकृष्ण अवतार दीक्षित, अमलेन्द्र नाथ मिश्रा, प्रेम शंकर द्विवेदी, अशोक शुक्ला, प्रदीप पाठक, प्रियम मिश्रा, मनोज शुक्ला, विनीत मिश्रा, त्रिलोकी नाथ, प्रमोद मिश्रा, मुनेन्द्र सिंह, समीर शुक्ला, कुलदीप तिवारी, अभय पाण्डेय सहित सैकड़ो गणमान्य नागरिक व महिलाएं उपस्थित रही! **रात्रि की लीला में** जालंधर वध की लीला का मंचन किया गया, जिसमे इंद्र से क्रोधित होकर शंकर जी ने जालंधर को प्रघट कियाए और अपने सभी देवताओं को भगाया अंत में भगवान विष्णु ने उसका विवाह वृंदा नारी से करवाया और वृंदा का पति व्रत धर्म नष्ट कियाए और शंकर जी ने उसका वध किया!

तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शनिवार को तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता एडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी ने की। इस मौके पर पुलिस और राजस्व से संबंधित 35 शिकायतें आई जिनमें से पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों

शिकायत सुनते एडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

को निस्तारित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। एडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी ने कहां संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का समय के अंदर निस्तारण किया जाए। संबंधित विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौके पर जाकर मौका मुआयना करें उसके बाद ही शिकायत का निस्तारण करें। अगर किसी भी अधिकारी या कर्मचारी ने बिना मौके पर जाए शिकायत का निस्तारण कर दिया तो उसके खिलाफदंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर एसडीएम अंकित तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण, तहसीलदार संध्या यादव, प्रभारी निरीक्षक अरविंद राय सहित समस्त विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जेठ और जेठानी पर लगाया मारपीट का आरोप

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ग्राम परचौली गांव निवासी सरिता ने अपने जेठ रामसनेही और जेठानी ममता पर घर के बाहर सफाई करते समय गाली-गलौज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया है। शोर मचाने पर ग्रामीणों ने बीच.बचाव किया, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार बोलेरो ने अर्टिगा में टक्कर मारी

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शुक्रवार की रात्रि हरदोई हाईवे पर मीरपुर गन्नू पुलिया के पास एक तेज रफ्तार बोलेरो ने सामने से आ रही है अर्टिगा कार में टक्कर मार दी जिससे दोनों चालक बाल.बाल बच गए लेकिन दोनों वाहन काफी क्षतिग्रस्त हो गए। श्याम सिंह पुत्र दाताराम निवासी ग्राम सहोरा के अनुसार रात्रि में 11:00 बजे हरदोई से शाहाबाद वापस आ रहा था। मीरपुर गन्नू पुलिया के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उसकी कार में टक्कर मारी जिससे वह बाल बाल बच गया। बोलेरो चालक बोलोरो छोड़कर फ्रार हो गया। दोनों वाहन काफी क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना पाकर पहुंची 112 नंबर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। शनिवार को श्याम सिंह ने कोतवाली में तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने बताया दुर्घटना की बात सामने आई है। कार चालक द्वारा तहरीर प्राप्त हुई है।

किसानों को रैली निकाल कर किया जागरूक

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। गन्ना विकास परिषद लोनी एवं डीसीएम श्रीराम लि शुगर यूनिट लोनी द्वारा संयुक्त रूप से चीनी मिल क्षेत्रीय कार्यालय हरियाली किसान बाजारए शाहाबाद एवं बेहटा गोकुल में बसंतकालीन गन्ना बुवाई एवं बीज संरक्षण हेतु जागरूकता अभियान के तहत सभी स्टाफ द्वारा मोटर साइकिल एवं ई-रिक्शा के माध्यम से दो रैलियों का आयोजन किया गया। रैलियों का शुभारम्भ ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकए लोनी परिषद पुत्तन लाल द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। जिसमें उनके द्वारा सभी स्टाफ को गन्ना बीज संरक्षण, उन्नतशील प्रजातियों का बीज चयन, बंसतकालीन गन्ना बुवाई में यान्त्रिकीकरण अपनाकर लेवर की लागत को कम करने से लाभ तथा गन्ना फसल में लगने वाली बीमारियों की रोकथाम, सहफसल से लाभ लेने के तरीको बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। गेट रीजन में रैली का संचालन चीनी मिल के उपमहाप्रबन्धक (गन्ना), गौरव रस्तोगी द्वारा बेहटा गोकुल रीजन में रैली का संचालन प्रबन्धक (गन्ना), प्रवीर सिंह (बेहटा रीजन) किया गया। जिसमें गेट रीजन के 113 गांव एवं बेहटा गोकुल के 108 गांव में बसंतकालीन गन्ना बुवाई अभियान के तहत व्यापक प्रचार प्रसार किया गया, जिसमें सभी सम्बन्धित जोनल इंचार्ज, विभागीय गन्ना पर्यवेक्षक एवं चीनी मिल फील्ड स्टाफ द्वारा प्रतिभाग किया गया।

39 पशुओं से भरी डीसीएम पुलिस ने पकड़ी, पांच तस्कर गिरफ्तार

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उधरनपुर में शुक्रवार की रात चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर क्षमता से अधिक बेरहमी से लादे गए पशुओं से भरी डीसीएम सहित पांच पशु तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डीसीएम को पकड़कर सीज कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण के नेतृत्व में बीते आठ दिनों से सर्किल में आगामी त्योहारों को लेकर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार की रात एस आई हरदीप कुमार पुलिस बल के साथ उधरनपुर बैरियर पर चेकिंग कर रहे थे। मुखबिर की सूचना पर शाहजहांपुर से आ रही डीसीएम संख्या यूपी 27 सीटी/ 5316 को एस आई लाखन सिंह और हरदीप कुमार ने रोककर पूछताछ की। डीसीएम की तलाशी में उसमे बेहरहमी से लदे हुए 39 पशुओं को पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से रस्सी खुलवाकर बाहर निकलवाया। पुलिस ने डीसीएम पर बैठे नबी हसन पुत्र बक्शी, अरबाज पुत्र मुन्शी, बब्लू पुत्र गब्टू निवासी कुतुआपुर बंजारनपुरवा मियांपुर थाना सेहरामऊ दक्षिणी जनपद शाहजहाँपुर, मुस्ताक पुत्र शेर खां निवासी मियांपुर थाना सेहरामऊ दक्षिणी और दलशेर अली पुत्र नूरा अली निवासी उमरपुर लौकीखेड़ा थाना मूड़ा जनपद लखीमपुर खीरी वर्तमान पता निवासी मियांपुर थाना सेहरामऊ दक्षिणी जनपद शाहजहाँपुर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार पशु तस्करों ने पुलिस को बताया उक्त पशुओं को गांव से खरीदकर तथा पैसो की बचत के लिये अधिक संख्या में भरकर ले जाकर गोरखपुर में बेचने जा रहे थे। पुलिस ने पशु चिकित्सा अधिकारी से पकड़े गए पशुओं का मेडिकल करवाया है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

कायाकल्प टीम ने किया निरीक्षण, अधीक्षक को दिए निर्देशित

आयुष्मान हर्बल वाटिका को देखते टीम के सदस्य। फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

पैथोलॉजी लैब में टेक्नीशियन से जानकारी लेते डॉक्टर राजेश।

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरपालपुर में शनिवार को लखनऊ से आई कायाकल्प टीम ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को तत्काल दूर करने के लिए अस्पताल के अधीक्षक को निर्देशित किया गया है। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

कायाकल्प टीम के डॉ० अनुपम यादव और डॉ० राजेश ने शनिवार सीएचसी हरपालपुर पहुंचकर ओपीडी, प्रसव कक्ष और पैथोलॉजी लैब का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने पैथोलॉजी लैब में टेक्नीशियन से खून से जुड़ी जांचों के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। टीम ने दवा वितरण कक्ष में दवाओं की उपलब्धता की भी जांच की। इस दौरान अस्पताल परिसर में गंदगी मिलने पर टीम ने नाराजगी जाहिर की उन्होंने तीन माह में व्यवस्थाओं को सुधारने के आवश्यक दिशा निर्देश अस्पताल के अधीक्षक को दिए तथा तीन माह बाद पुन: निरीक्षण की बात कही। निरीक्षण के बाद कायाकल्प टीम ने स्वास्थ्य कर्मियों की एक बैठक भी ली।

इस बैठक में जांच प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया। टीम ने स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों के प्रति संवेदनशील रहने और उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अस्पताल का स्टाफ मौजूद रहा।

सल्लिया पिहानी रोड पर चार वाहन भिड़े

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खंड नारीखेड़ा पेट्रोल पंप के पास शनिवार को चार वाहनों की एक के बाद एक हुई टक्कर में एक मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दुर्घटना में एक बस मोटरसाइकिल पिकअप डाला और एक कार शामिल थे। जानकारी के अनुसार ग्राम रेला निवासी सज्जन पुत्र रामप्रसाद पेट्रोल डलवाने के बाद पंप से बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान पिहानी की ओर से आ रही एक बस से उनकी मोटरसाइकिल की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सज्जन गंभीर रूप से घायल हो गए।

इसी बीच बस के सामने से आ रही एक पिकअप डाला भी बस से टकरा गई। पिकअप के पीछे चल रही कार का चालक समय पर ब्रेक नहीं लगा सका और वह भी पिकअप से जा भिड़ी। देखते ही देखते चारों वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां सज्जन की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया।

इश्तहार

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज जूनियर डि०पूर्वी महोदय, हरदोई

1. शिवकुमार त्रिपाठी पुत्र रामदुलार त्रिपाठी, उम्र लगभग 69, निवासी-निकट आईडीयल के पास महतवाना, सण्डीला, जनपद-हरदोई।
2. मनोज कुमार त्रिपाठी पुत्र शिवकुमार त्रिपाठी, उम्र लगभग 38, निवासी-मो0 महतवाना, कस्बा व तहसील सण्डीला, जनपद-हरदोई। .....प्रार्थीगण

बनाम

1. जायदाद मृतक शान्ती देवी पत्नी शिवकुमार त्रिपाठी, निवासी- 77 ऊपरी महतवाना, सण्डीला, जनपद-हरदोई।
2. श्रीमती रेनू अवस्थी पत्नी कैलाश कुमार अवस्थी, उम्र 45 वर्ष पुत्री शिवकुमार त्रिपाठी, हाल पता-हरदोई रोड राजाबिहार अजीत गैस गोदाम के पास बालागंज लखनऊ (पुत्री)
3. अनुराग त्रिपाठी पुत्र शिवकुमार त्रिपाठी उम्र 33 वर्ष नि0 निकट आईडीयल के पास महतवाना सण्डीला जनपद हरदोई (पुत्र)
4. शाखा प्रबन्धक महोदय, बैंक ऑफ इण्डिया शाखा सण्डीला, जनपद-हरदोई।
5. उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जिलाधिकारी हरदोई।
6. सभी सामान्य .....विपक्षीगण

जायदाद.....विपक्षीगण

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 372 इण्डियन सक्सेशन एक्ट

मुकदमा नम्बर 53/26

तारीख पेशी-10.03.2026

टेण्डर संख्या-336/26

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि शिव कुमार त्रिपाठी ने प्राप्त कर उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है और उक्त प्रार्थन पत्र की सुनवाई हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनाँक-10.03.2026 नियत है।

अतः जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र बावत जायदाद मृतक शान्ती देवी मृतक की बावत जो कुछ उजर हो इस न्यायालय में दिनाँक-10.03.2026 प्रस्तुत करें, अन्यथा वाद में कोई उजर नहीं सुना जायेगा।

आज बतारीख 19.02.2026 मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से जारी किया गया।

न्यायालय सिविल जज (जू0डि0), पूर्वी, हरदोई।

इश्तहार

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज सी0डि0 महोदय, हरदोई

1. सत्येन्द्र कुमार वर्मा आयु 46 वर्ष पुत्र स्व0 श्रीपाल (पुत्र), 2. श्रीमती उर्मिला देवी आयु करीब 52 वर्ष पुत्री स्व0 श्रीपाल (विवाहिता पुत्री), 3. श्रीमती रश्मि वर्मा आयु करीब 44 वर्ष पत्नी स्व0 जितेन्द्र कुमार (पुत्रवधू), 4. प्रज्ञान वर्मा आयु करीब 13 वर्ष पुत्र स्व0 श्रीपाल (पौत्र), 5. कु0 प्रतिष्ठा वर्मा आयु करीब 9 वर्ष पुत्री स्व0 जितेन्द्र कुमार (पौत्री), 6. श्रीमती मंजू वर्मा आयु करीब 48 वर्ष पत्नी स्व0 रवीन्द्र कुमार वर्मा स्व0 (पुत्रवधू), 7. कु0 प्रियंका वर्मा आयु करीब 26 वर्ष पुत्री स्व0 रवीन्द्र कुमार वर्मा (पौत्री), 8. कु0 अपूर्वा वर्मा आयु करीब 21 वर्ष पुत्री स्व0 रवीन्द्र कुमार वर्मा (पौत्री), 9. रितेश वर्मा आयु करीब 19 वर्ष पुत्र स्व0 रवीन्द्र कुमार वर्मा (पौत्र), 10. कु0 मिषा वर्मा आयु करीब 09 वर्ष पुत्री स्व0 रवीन्द्र कुमार वर्मा (पौत्री) संरक्षिका एवं वाद मित्र श्रीमती मंजू वर्मा, सर्वनिवासीगण- मकान नं0-102, सिविल लाइन हरदोई परगना बंगर, तहसील सदर, जिला-हरदोई। .....प्रार्थीगण

बनाम

1. शाखा प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा, निकट आनन्द सिनेमा कचेहरी रोड सिविल लाइन हरदोई द्वारा शाखा प्रबन्धक।
2. श्रीमती पुष्पा गौतम आयु 57 वर्ष पुत्री स्व0 श्रीपाल, निवासी सी0-6 सेक्टर एफएलडीए कालोनी कानपुर रोड, लखनऊ।
3. सर्व साधारण .....विपक्षीगण

जायदाद.....विपक्षीगण

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 372 इण्डियन सक्सेशन एक्ट

अ0स0मु0नं0- 20/2026

तारीख पेशी-13.03.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि **सत्येन्द्र कुमार वर्मा** ने प्राप्त कर उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है और उक्त प्रार्थन पत्र की सुनवाई हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनाँक-13.03.2026 नियत है।

अतः जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र बावत जायदाद **रामबेटी** मृतक की बावत जो कुछ उजर हो इस न्यायालय में दिनाँक-13.03.2026 प्रस्तुत करें, अन्यथा वाद में कोई उजर नहीं सुना जायेगा।

आज बतारीख 21.02.2026 मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से जारी किया गया।

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0), हरदोई।

कार्यालय ग्राम पंचायत-गजुआखेड़ा, विकास खण्ड-पिहानी, हरदोई

पत्रांक-मेमो/राज्य वित्त/ केन्द्रीय वित्त /2025-26 **दिनाँक-21.02.2026**

अल्पकालीन निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत-गजुआखेड़ा, विकास खण्ड-पिहानी, हरदोई द्वारा राज्य वित्त/ केन्द्रीय वित्त आयोग के अन्तर्गत कराए जाने वाले निम्न लिखित कार्यो पर सामग्री (सीमेण्ट, मौरंग, बालू, पत्थर गिट्टी, रोड़ा, ईट प्रथम, इण्टरलाकिंग ईट आदि) आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनाँक-22.02.2026 से 28.02.2026 को 03:00 बजे तक पंचायत भवन से प्राप्त कर जमा कर सकते है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक-28.02.2026 को समिति द्वारा साय 04:00 बजे पंचायत भवन में खोली जाएगी।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	बाकेलाल के घर से पातीराम के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	499700.00
2	अतर सिंह के घर से ओम प्रकाश के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	280000.00
3	सुशील के घर से प्यारे लाल के घर तक नाली मरम्मत कार्य।	165000.00
4	नन्हे के घर से अम्बेडकर पार्क तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	275000.00

नोट-

1- निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त हुयी किसी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
2- निविदा फार्म पर किसी प्रकार की कटिंग मान्य नही होगी।
3- बिना बताये किसी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा फार्म पर उल्लेखित साफ शब्दों में अंकित करें।
5- धन की उपलब्धता पर कार्य कराया जायेगा।
6- कार्यो की कटौती प्रावधान/ लागू दरों की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
7- प्राविधारित कार्यो की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई/बढ़ाई जा सकती है।

(नेमपाल)
प्रधान
ग्राम पंचायत-गजुआखेड़ा,
विकास खण्ड- पिहानी, हरदोई

(आमिर अली सिद्दीकी)
सचिव
ग्राम पंचायत-गजुआखेड़ा,
विकास खण्ड- पिहानी, हरदोई

जन आंदोलन से छिटपुट विरोध तक ट्रेड यूनियनवाद का बदलता चेहरा

12 फरवरी को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच द्वारा बुलाया गया 'भारत बंद' संगठित श्रम की स्थायी ताकत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी बंद के रूप में प्रस्तुत किया गया था। वास्तव में, इस दिन ने यह दिखाया कि राष्ट्रीय प्रभाव कितना कम हो गया है। यूनियन नेताओं ने बड़े पैमाने पर भागीदारी का दावा किया, लेकिन कई राज्यों से रिपोर्टों में अधिकांश शहरों में सामान्य व्यावसायिक गतिविधि, कई क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन का संचालन और केवल छिटपुट औद्योगिक व्यवधानों का वर्णन किया गया। कुछ ही इलाकों को छोड़कर, जहां यूनियनों के घने राजनीतिक और संस्थागत नैटवर्क हैं, दैनिक जीवन सामान्य रूप से चलता रहा। यह परिणाम कुछ गहरा दर्शाता है रू भारत का श्रम बाजार लंबे समय से अनौपचारिकता से आकार लेता रहा है और यह पैटर्न आज भी मजबूती से बना हुआ है। कामगारों का बहुत बड़ा हिस्सा, लगभग 85-90 प्रतिशत, अनौपचारिक रोजगार व्यवस्था में बना हुआ है, जिसमें औपचारिक फैक्टरी नौकरियों से जुड़ी सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता नहीं है। साथ ही, हाल के श्रम बल सर्वेक्षण दिखाते हैं कि अधिकांश रोजगार प्राप्त व्यक्ति स्व-रोजगार वाले हैं, न कि नियमित वेतनभोगी, जो पारंपरिक यूनियनकृत कार्यबल की सीमितता को रेखांकित करता है। काम के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्र सेवाओं, छोटे उद्यमों, ठेका व्यवस्थाओं और प्लेटफॉर्म-आधारित गिग रोजगार में हैं। ऐसे परिदृश्य में, पारंपरिक यूनियन मॉडल, जो बड़े कार्यस्थलों और दीर्घकालिक सामूहिक सौदेबाजी पर आधारित है, कार्यबल के केवल सीमित हिस्से को छूता है। सामान्य नागरिकों के लिए, ऐसी हड़तालें अक्सर एकजुटता की बजाय असुविधा और आर्थिक नुकसान में बदल जाती हैं। यात्रियों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है, छोटे व्यवसाय एक दिन की कमाई खो देते हैं और आवश्यक सेवाएं विलंबित हो जाती हैं। दैनिक मजदूरों और ठेका कामगारों के लिए भागीदारी का मतलब आय खोना होता है। अस्पताल, परीक्षाएं और नियमित लेनदेन बाधित हो जाते हैं। बंद, जो कभी लोकतांत्रिक जुटाव का नाटकीय साधन माना जाता था, अब रोजमर्रा के जीवन में थोपी गई रुकावट के रूप में अधिक देखा जाता है। यूनियनों और व्यापक जनता के बीच बढ़ती खाई के कई कारक हैं। रोजगार संरचनाएं यूनियन रणनीतियों से कहीं अधिक तेजी से विकसित हुई हैं। अनौपचारिक और गिग कामगार पारंपरिक संगठन ढांचों में आसानी से फिट नहीं होते। यूनियन नेतृत्व अक्सर विरासती क्षेत्रों और सार्वजनिक उद्यमों में केंद्रित रहता है, जहां संस्थागत लाभ मजबूत है लेकिन प्रतिनिधित्व की चौड़ाई संकरी है। हड़ताल की मांगें अक्सर सुधारों का विरोध या निजीकरण का विरोध करने पर केंद्रित होती हैं, बिना वित्तीय रूप से व्यवहार्य या प्रशासनिक रूप से विश्वसनीय विकल्पों के। यह प्रतिक्रियावादी रुख बदलाव के प्रतिरोध का आभास दे सकता है बजाय रचनात्मक जुड़ाव के। वैश्विक व्यापार पर्यावरण तेजी से तनावपूर्ण हो रहा है, संरक्षणवादी प्रवृत्तियां फिर से उभर रही हैं और आपूर्ति शृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं। फिर भी भारत ने मुक्त व्यापार समझौतों की एक शृंखला पूरी की है और खुद को विनिर्माण और सेवाओं के लिए तेजी से विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित किया है। जब सीमा-पार वाणिज्य अधिक अनिश्चित हो रहा है, भारत की नई व्यापार सांझेदारियां हासिल करने की क्षमता अवसर और जिम्मेदारी दोनों दर्शाती है। देश इस औद्योगिक मोड़ पर चूक नहीं सकता, चीन को 3 दशक पहले इसी तरह का अवसर पकड़कर विश्व का कारखाना बनते देखने के बाद, निरंतर सुधारों और वैश्विक एकीकरण के माध्यम से। जैसे-जैसे भारत मेक इन इंडिया जैसी पहल आगे बढ़ाता है और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में गहरी एकीकरण की तलाश करता है, कामगार कल्याण, कौशल, उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा के प्रश्न और अधिक केंद्रीय हो जाते हैं। लेकिन एक आधुनिक, वैश्विक रूप से जुड़ी अर्थव्यवस्था में वैधता गतिविधि रोकने की क्षमता पर कम और सुधारों को जिम्मेदारी से आकार देने की क्षमता पर अधिक निर्भर करती है। ट्रेड यूनियनों को अपनी नैतिक सत्ता मजबूत करने के लिए आथ्र्थक उदारीकरण से विस्तृत प्रस्तावों के साथ जुडना चाहिए, कौशल विकास, लाभों की पोर्टेबिलिटी, कार्यस्थल सुरक्षा और विवाद समाधान पर, बजाय अधिकतमवादी बंदों पर निर्भर रहने के।

यूनियन नेताओं ने बड़े पैमाने पर भागीदारी का दावा किया, लेकिन कई राज्यों से रिपोर्टों में अधिकांश शहरों में सामान्य व्यावसायिक गतिविधि, कई क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन का संचालन और केवल छिटपुट औद्योगिक व्यवधानों का वर्णन किया गया। कुछ ही इलाकों को छोड़कर, जहां यूनियनों के घने राजनीतिक और संस्थागत नैटवर्क हैं, दैनिक जीवन सामान्य रूप से चलता रहा। यह परिणाम कुछ गहरा दर्शाता है भारत का श्रम बाजार लंबे समय से अनौपचारिकता से आकार लेता रहा है और यह पैटर्न आज भी मजबूती से बना हुआ है।

एआई का नया युग और भारत की मानव केंद्रित दृष्टि

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव एआई की परिकल्पना इंसानों का, इंसानों द्वारा और इंसानों के लिए एआई को व्यापक वैश्विक समर्थन मिला। इस दृष्टि का सार यह है कि एआई का विकास केवल व्यावसायिक लाभ या तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित न रहे, बल्कि सामाजिक कल्याण, नैतिक मानकों और समावेशी विकास को प्राथमिकता दे। समिट में 70 से अधिक देशों ने अंतिम घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जोकि पिछले सम्मेलन से अधिक संख्या है। वस्तुतः यह तथ्य दर्शाता है कि जिम्मेदार और नैतिक एआई पर भारत की पहल को बहुपक्षीय समर्थन प्राप्त हुआ है।

नई तकनीकी क्रांति के इस दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक शक्ति संतुलन, आर्थिक निवेश और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाला परिवर्तनकारी उपकरण बन चुका है। देश की राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह संकेत स्पष्ट कर दिया कि भारत इस परिवर्तन के केंद्र में स्वयं को स्थापित कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार यह आयोजन 'भव्य रूप से सफल' रहा और देश को एआई क्षेत्र में 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह आंकड़ा आज सिर्फ आर्थिक भरोसे का संकेत नहीं है, यह तो वैश्विक मंच पर भारत की नीति-दृष्टि की स्वीकृति को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव एआई की परिकल्पना इंसानों का, इंसानों द्वारा और इंसानों के लिए एआई को व्यापक वैश्विक समर्थन मिला। इस दृष्टि का सार यह है कि एआई का विकास केवल व्यावसायिक लाभ या तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित न रहे, बल्कि सामाजिक कल्याण, नैतिक मानकों और समावेशी विकास को प्राथमिकता दे। समिट में 70 से अधिक देशों ने अंतिम घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जोकि पिछले सम्मेलन से अधिक संख्या है। वस?तुतः यह तथ्य दर्शाता है कि जिम्मेदार और नैतिक एआई पर भारत की पहल को बहुपक्षीय समर्थन प्राप्त हुआ है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अवसंरचना से जुड़े निवेश प्रस्ताव 250 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुके हैं, जबकि डीप-टेक और वेंचर कैपिटल निवेश प्रतिबद्धताएं लगभग 20 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। इन प्रतिबद्धताओं का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि एआई अवसंरचना में उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे घटक शामिल होते हैं। यह निवेश संकेत देता है कि भारत केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एआई समाधान विकसित करने वाला वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय इंजीनियरों और शोधकर्ताओं द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता वाले मॉडल उद्योग जगत के लिए आश्चर्य का विषय बने हैं। समिट में 5 लाख से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया। विश्व के लगभग सभी प्रमुख एआई प्रतिष्ठानों, उद्योग दिग्गजों और स्टार्टअप्स की भागीदारी ने इसे वैश्विक मंच का रूप दिया। प्रदर्शनी में नई तकनीकों, नवाचारों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन हुआ। मंत्रिस्तरीय संवाद, लीडर्स प्लेनरी और उद्घाटन सत्रों में चर्चाओं की गुणवत्ता को असाधारण बताया गया। ढाई लाख विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ एक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना, जो यह दर्शाता है कि भारत एआई को युवा शक्ति से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह भागीदारी भविष्य की कौशल संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है। भारत ने एआई स्टैक की पांच परतों के निर्माण की नीति अपनाई है, जिसमें डेटा, प्लेटफॉर्म, मॉडल, एप्लिकेशन और गवर्नेंस शामिल हैं। सॉवरेन बुके मॉडल की अवधारणा का उद्देश्य देश के लिए स्वदेशी एआई क्षमताओं का विकास करना है, जिससे रणनीतिक निर्भरता कम हो सके। एआई सुरक्षा के लिए 12 संस्थानों का नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मानकों, शोध और परीक्षण पर कार्य कर रहा है। सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने के लिए पैक्स सिलिका समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल चिप निर्माण और संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अमेरिकी कंपनी ओपनएआई के अनुसार तकनीकी कार्यों के लिए चैटजीपीटी के उपयोग में भारत वैश्विक औसत से काफी आगे है। भारत में डेटा विश्लेषण का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग चार गुना अधिक है, जबकि कोडिंग के लिए कोडेक्स का उपयोग करीब तीन गुना ज्यादा है। भारतीय उपयोगकर्ता कोडिंग से जुड़े प्रश्न वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक पूछते हैं और शिक्षा से संबंधित प्रश्न लगभग दोगुने हैं। साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा बाजार बन गया है। कार्य से संबंधित उपयोग 35 प्रतिशत तक है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि एआई को कार्यालयों में ड्राफ्टिंग, एडिटिंग, तकनीकी सहायता और डिबगिंग के लिए प्रभावी उपकरण के रूप में अपनाया जा रहा है। 18 से 24 वर्ष आयु वर्ग कुल संदेशों का लगभग आधा हिस्सा भेजता है, जबकि 18 से 34 वर्ष वर्ग 80 प्रतिशत उपभोक्ता संदेशों के लिए जिम्मेदार है। यह जनसांख्यिकीय प्रवृत्ति बताती है कि भारत की युवा आबादी तकनीकी परिवर्तन को तेजी से अपना रही है। भौगोलिक दृष्टि से तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे तकनीकी केंद्र कोडिंग क्षमताओं के उपयोग में अग्रणी हैं। यह क्षेत्रीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती को दर्शाता है। कनाडा, स्विट्जरलैंड, ब्राजील और अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भारत की पहल की सराहना की। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के नेतृत्व में आए बड़े प्रतिनिधिमंडल ने एआई, रक्षा, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में साझेदारी को ऐतिहासिक बताया। कनाडा के मंत्री इवान सोलोमन ने इसे सभी देशों के लिए खुला मंच बताया। यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि तकनीकी क्रांति में विकासशील देशों की भागीदारी सुनिश्चित करना वैश्विक असमानताओं को कम करने का माध्यम बन सकता है। डब्ल्यूएचओ की पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल सौम्या स्वामीनाथन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इमेज रिकग्निशन और पैटर्न एनालिसिस के माध्यम से एक्स-रे और पैथोलॉजी स्लाइड पढ़ने जैसे कार्य विशेषज्ञों की कमी वाले क्षेत्रों में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने एआई उत्पादों के लिए क्लिनिकल ट्रायल, नियामक ढांचा और सुरक्षा मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया। यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि तकनीकी विस्तार के साथ गवर्नेंस फ्रेमवर्क का सुदृढ़ होना अनिवार्य है। एआई का लोकतंत्रीकरण तभी सार्थक होगा जब मानक, बेंचमार्क और पारदर्शी नियम लागू किए जाएं। अतः यहां निष्कर्ष रूप में यही कहना होगा कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत एआई युग में निर्णायक भूमिका निभाने की तैयारी कर चुका है। 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव, रिकॉर्ड भागीदारी, वैश्विक समर्थन और युवा शक्ति की सक्रिय उपस्थिति इस परिवर्तन की आधारशिला हैं। भारत की मानव-केंद्रित नीति, संतुलित विदेश नीति और विशाल प्रतिभा भंडार ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है जिसमें तकनीकी नवाचार सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ सके। एआई का अगला अध्याय केवल एल्गोरिद्म और डेटा तक सीमित नहीं रहेगा; यह विश्वास, सहयोग और समावेशी विकास की कहानी भी लिखेगा। भारत इस कहानी का केंद्रीय पात्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

क्या 2027 में भी आम आदमी पार्टी पर पंजाबियों को भरोसा रहेगा?

इकबाल सिंह चन्नी

पंजाब के चुनावी इतिहास में यह पहली बार हुआ, जब एक ही पार्टी के 92 उम्मीदवार, वह भी ऐसी पार्टी, जिसकी लीडरशिप को किसी भी तरह से परखा नहीं गया था, जीत कर विधायक बने। इस तरह पंजाब में 'आप' की सरकार बनी और लोगों को उम्मीद होने लगी कि जल्द ही उनकी परेशानियां हल हो जाएंगी और 'आप' की गारंटी पूरी होने से उनकी जिंदगी आरामदायक हो जाएगी। क्योंकि 'आप' के मुखिया अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 22 के चुनाव से पहले पंजाब के लोगों को कई गारंटियां दीं और कई वादे किए थे। 'आप' सरकार ने जल्द ही लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली देने का अपना वादा पूरा किया और दावा किया कि 'आप' सरकार की वजह से पंजाब के 80 प्रतिशत लोगों का बिजली बिल जीरो हो गया है।

2022 के विधानसभा चुनाव में पंजाबियों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व पर बहुत भरोसा जताया और उसके उम्मीदवारों को रिकॉर्ड संख्या में जिताया। पंजाब के चुनावी इतिहास में यह पहली बार हुआ, जब एक ही पार्टी के 92 उम्मीदवार, वह भी ऐसी पार्टी, जिसकी लीडरशिप को किसी भी तरह से परखा नहीं गया था, जीत कर विधायक बने। इस तरह पंजाब में 'आप' की सरकार बनी और लोगों को उम्मीद होने लगी कि जल्द ही उनकी परेशानियां हल हो जाएंगी और 'आप' की गारंटी पूरी होने से उनकी जिंदगी आरामदायक हो जाएगी। क्योंकि 'आप' के मुखिया अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 22 के चुनाव से पहले पंजाब के लोगों को कई गारंटियां दीं और कई वादे किए थे। 'आप' सरकार ने जल्द ही लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली देने का अपना वादा पूरा किया और दावा किया कि 'आप' सरकार की वजह से पंजाब के 80 प्रतिशत लोगों का बिजली बिल जीरो हो गया है। लेकिन बाकी गारंटियां और वादे, जिसमें महिलाओं को 1000 रुपए प्रति महीना देना, बेअदबी के मामलों में 24 घंटे में इंसाफ, 3 महीने में नशा खत्म करना, वी.आई.पी. कल्चर खत्म करना, भ्रष्टाचार खत्म करके सरकारी खजाने में सालाना 34,000 करोड़ रुपए जमा करना, रेत माफिया को खत्म करके 20,00 करोड़ रुपए तथा शराब पॉलिसी के जरिए 20,000 करोड़ रुपए सरकारी खजाने में जमा करके पंजाब की आर्थिक हालत सुधार कर पंजाब को कर्ज के जाल से बाहर निकालना, सेहत और शिक्षा व्यवस्था को नंबर 1 पर लाना, कानून व्यवस्था सुधारने और पंजाब में बड़े पैमाने पर उद्योग लगाकर युवाओं के लिए रोजगार के मौके पैदा करने और विदेश जाने की जरूरत खत्म करने जैसे वादे किए गए थे। भगवंत मान सरकार इनमें से ज्यादातर गारंटियां और वादे पूरे करने में नाकाम रही, हालांकि युवाओं को सरकारी नौकरियां देने में काफी हद तक सफल रही लेकिन विपक्ष यह भी सवाल उठाता है कि सरकार यह क्यों नहीं बताती कि इन 4 सालों में कितने कर्मचारी रिटायर हुए हैं। सरकार के ये आंकड़े जारी न करने की वजह से विपक्ष का दावा है कि रिटायरमैंट दर 5 से 9 प्रतिशत है और आरोप है कि 'आप' सरकार ने उतने युवाओं को नौकरी नहीं दी, जितने रिटायर हुए हैं। इन्हीं वजहों से 2 साल बाद, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान 'आप' को 22 के मुकाबले बहुत कम रिस्पॉन्स मिला। इन चुनावों में 'आप' का वोट शेयर 41 से घटकर करीब 26 प्रतिशत रह गया और पार्टी के सिर्फ 3 उम्मीदवार ही जीत पाए, जबकि 'आप' के 2 उम्मीदवार आजाद के तौर पर चुनाव जीतने में कामयाब रहे। इसके अलावा, कुछ ही महीने बाद 2022 में भगवंत सिंह मान अपने ही चुनाव क्षेत्र से आजाद उम्मीदवार सिमरनजीत सिंह मान से हार गए। इन चुनावों के नतीजों से सीख लेकर 'आप' ने आत्ममंथन शुरू किया और पार्टी के काम करने के तरीकों में भी बदलाव किए। उसने कई तरह के कैंपेन भी चलाए। इनमें पंजाब को एक मॉडल राज्य के तौर पर पेश करना, रैवेन्यू डिपार्टमैंट पर शिकंजा कसना, बुलडोजर चलाना, महिलाओं को 1000 रुपए समेत बाकी गारंटियां और वादे पूरे करने का भरोसा दिलाना, पार्टी में अनुशासन लाना और अब ड्रग्स के खिलाफ मुहिम के अलावा और भी कई कोशिशें की जा रही हैं। हालांकि इसी भरोसे की वजह से पार्टी को पिछले दिनों हुए उपचुनाव और स्थानीय चुनावों में कामयाबी मिली लेकिन इन जीतों को विधानसभा चुनाव जीतने की गारंटी नहीं माना जा सकता, क्योंकि अगर पंजाब के पिछले राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह साफ हो जाता है कि पंजाब के लोग भरोसा करने में तो माहिर होते हैं लेकिन जब उनके भरोसे पर थोड़ी-सी भी चोट लगती है, तो वे भरोसा छोड़ भी देते हैं, जिसके 2 हालिया उदाहरण हमारे सामने हैं। पहला, अकाली-भाजपा सरकार का बदलना। हालांकि पंजाबियों को अकाली-भाजपा सरकार के किए गए विकास से कोई एतराज नहीं था लेकिन धार्मिक मामलों में की गई गलतियों और ड्रग्स नियंत्रण के मुद्दे पर पंजाबियों का विरोध झेलना पड़ा, जिसकी वजह से अकाली दल और भाजपा को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह, कांग्रेस सरकार, जो ड्रग्स खत्म करने, किसानों का कर्ज माफ करने और विकास के वादे की वजह से सरकार बनाने में कामयाब हुई थी, उसे भी पंजाबियों ने 2022 में बाहर कर दिया। लेकिन 'आप' की सरकार इन तीनों पार्टियों से ज्यादा और बड़े वादे करके आगे आई थी। अब पंजाबी फिर से सोचने लगे हैं कि किस पार्टी ने पंजाबियों से किए वादे पूरे किए। इसलिए, अब 'आप' पर दी गई गारंटियों और वादे पूरे करने का बोझ दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। अगर पंजाबियों की सोच ऐसी ही रही और 'आप' गारंटियां और वादे पूरे नहीं करती, तो पंजाबियों की सोच 'आप' के लिए चुनौती बन सकती है और पार्टी के लिए 27 के विधानसभा चुनाव में पंजाबियों का 22 वाला भरोसा हासिल करना मुश्किल हो जाएगा।

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं।

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम ल्लबहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़ङ्क है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं। इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा। यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है-रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा। भाषाई विविधता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं; प्रत्येक भाषा अपने साथ एक विशिष्ट जीवनदर्शन लेकर आती है। हमें यह समझाना होगा कि किसी भी भाषा को छोटा या बड़ा कहना अनुचित है। सभी भाषाएँ समान रूप से सम्माननीय हैं। हिन्दी राजभाषा है, परंतु अन्य भारतीय भाषाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। संस्कृत हमारी प्राचीन ज्ञान-परंपरा की धरोहर है, तो तमिल, बांग्ला, मराठी, गुजराती, उड़िया, असमिया, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, कश्मीरी और अन्य भाषाएँ अपनी-अपनी सांस्कृतिक संपदा से राष्ट्र को समृद्ध करती हैं। डिजिटल युग में युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा में कम से कम एक रचनात्मक कार्य अवश्य करेंगे-चाहे वह एक ब्लॉग हो, एक कहानी, एक गीत या एक शैक्षिक वीडियो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद उपकरणों और भाषा मॉडल्स का उपयोग करके वे अपनी भाषा की सामग्री को वैश्विक पाठकों तक पहुँचा सकते हैं। इससे न केवल भाषा का संरक्षण होगा, बल्कि आर्थिक अवसर भी बढ़ेंगे। स्थानीय भाषाओं में स्टार्टअप, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रकाशन नए रोजगार के द्वार खोल सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 हमें यह संदेश देता है कि भाषाई विविधता ही मानवता की वास्तविक समृद्धि है। यदि हम सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो समावेशी शिक्षा आवश्यक है, और समावेशी शिक्षा का आधार मातृभाषा है। युवाओं की आवाज़ जब बहुभाषी शिक्षा के समर्थन में उठेगी, तभी समाज में व्यापक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता है एक सामूहिक संकल्प की-हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करेंगे, उसे डिजिटल मंचों पर प्रतिष्ठित करेंगे और आने वाली पीढ़ियों तक उसकी विरासत पहुँचाएँगे। भाषा हमारी आत्मा है; उसे जीवित रखना हमारा दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर यही संदेश गूंजना चाहिए कि युवा ही भाषाई भविष्य के प्रहरी हैं। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़ेंगे, तभी विश्व अधिक समावेशी, सहिष्णु और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेगा।

जिलाधिकारी ने तहसील चायल का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने शनिवार को तहसील चायल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उप जिलाधिकारी अरुण कुमार को तहसील में फरियादियों के बैठने हेतु पर्याप्त व्यवस्था एवं समुचित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

तहसील परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार को नियमित साफ-सफाई व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिये। उप जिलाधिकारी न्यायालय के निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के व्यवस्थित रख-रखाव पर जोर देते हुए राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रगति लाने को कहा।

तहसीलदार न्यायालय में पत्रावलियों में प्रविष्टियां अपूर्ण मिलने पर पेशकार को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए गए। नायब तहसीलदार न्यायालय में भी राजस्व वादों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष बल दिया गया। अभिलेखागार के निरीक्षण के दौरान अभिलेखों को सुव्यवस्थित रखने तथा सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। लेखपाल एवं अमीन की सर्विस बुक के अवलोकन में अद्यतन प्रविष्टियां न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को तत्काल सर्विस बुक अपडेट कराने को कहा। 10 लाख रुपये से अधिक के बकायेदारों से राजस्व वसूली की प्रगति अपेक्षित न मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिये।

जनपद न्यायालय परिसर में 22 फरवरी को वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का होगा आयोजन

कौशाम्बी। जनपद न्यायाधीश जे पी यादव ने न्यायालय सभागार में 22 फरवरी को आयोजित होने वाले मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जनपद स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कर कार्यक्रम को सफल बनाया जाय। साथ ही शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिये गये। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कौशाम्बी आस्था मिश्रा ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद न्यायालय परिसर में 22 फरवरी को पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि शिविर का उद्देश्य जनपदवासियों को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक करना, उन्हें सशक्त बनाना तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर लाभान्वित करना है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर अनार से लदा ट्रक पलटा, चालक घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह अनार से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार चालक मोहित पुत्र अरविंद निवासी नगला लेखराज, थाना सिरसागंज, जनपद फिरोजाबाद अपने सहयोगी सुरजीत पुत्र रामौतार के साथ ट्रक में अनार लोडकर राजस्थान से बिहार जा रहा था। शनिवार सुबह करीब 7 बजे बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के गांव शिवबकस खेड़ा के निकट अचानक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद ट्रक में लदी अनार की पेटियां एक्सप्रेसवे पर बिखर गईं, जिससे कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही यूपीडा टीम मौके पर पहुंची और घायल चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांगरमऊ में भर्ती कराया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया।

बाद में क्रेन की मदद से ट्रक को सीधा कर सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया और मार्ग को सुचारु कराया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

खेत पर गए किशोर की पिटाई के बाद लापता, मां ने दबंगों पर बंधक बनाने का लगाया आरोप

बांगरमऊ-उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में खेत पर गए एक 14 वर्षीय किशोर के साथ मारपीट के बाद उसके लापता हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजनों ने पड़ोसी गांव के कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मां ने आशंका जताई है कि उसके बेटे को बंधक बनाकर पुराना मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। ग्राम हसनपुर मजरा निवासी पिंकी पत्नी राकेश ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बीते शुक्रवार शाम उसका पुत्र प्रांजुल (14) अपने खेत पर गया था। आरोप है कि उसी दौरान पड़ोसी गांव ताजपुर निवासी संजय पुत्र नागेंद्र अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर प्रांजुल की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद से किशोर का कोई पता नहीं चल सका है। मां का आरोप है कि दबंग किस्म के लोगों ने उसके बेटे को अपने कब्जे में ले लिया है और परिवार पर पहले से दर्ज मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने बेटे की हत्या किए जाने की भी आशंका जताई है। तहरीर मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और किशोर की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

बांगरमऊ में पागल कुत्तों का आतंक जारी, राहगीर पर हमला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। नगर एवं क्षेत्र में खूंखार पागल कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार दोपहर मोहल्ला टेढ़ा शिवाला में एक बार फिर कुत्ते ने राह चलते व्यक्ति पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

मोहल्ला भटपुरी निवासी अशोक कुमार मिश्रा पुत्र विष्णु सेवक मिश्रा किसी काम से मोहल्ला टेढ़ी बाजार जा रहे थे। तभी अचानक पागल कुत्ते ने उन्हें दौड़ाकर काट लिया। हमले में वह बुरी तरह घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें कुत्ते से बचाया और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

गौरतलब है कि बीती 16 फरवरी को पश्चिम स्थित बाबा बोधेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि मेले के दौरान अजय कुमार के 11 वर्षीय पुत्र हर्षित पर भी इसी कुत्ते ने हमला कर दिया था, जिससे वह लहूलुहान हो गया था। मंदिर में मौजूद एक महिला और एक किशोरी को भी कुत्ते ने काट लिया था। इसके अलावा ग्राम दुल्लापुरवा निवासी पांच वर्षीय रुद्र और रबड़ी निवासी आठ वर्षीय रजनीश को भी कुत्ते ने गंभीर रूप से घायल किया था। रजनीश की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया था।

लगातार हो रहे हमलों से नागरिकों में भय व्याप्त है। लोगों ने तहसील व नगर पालिका प्रशासन से पागल कुत्ते को पकड़वाने की मांग की है।

11.65 करोड़ की लागत से होगा कलवारी-महमदाबाद मार्ग का चौड़ीकरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। क्षेत्र के दूरदराज गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली प्रधानमंत्री सड़क के जीर्णोद्धार कार्य का शनिवार को शिलान्यास किया गया। 11 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क का पूजन एवं शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार की मौजूदगी में उनके पुत्र अंशुल कटियार ने किया।

बांगरमऊ से हरदोई मार्ग से जुड़ा कलवारीऽमहमदाबाद मार्ग दर्जनों गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ता है। मुख्य मार्ग से गांव चकहनुमान तक जाने वाले 10.560 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य अब तेजी से शुरू होगा। पहले यह सड़क मात्र 3.75 मीटर चौड़ी थी, जिसे निर्माण के बाद बढ़ाकर 5.50 मीटर किया जाएगा।

विधायक ने कहा कि सड़क के चौड़ीकरण से क्षेत्र में कनेक्टिविटी बेहतर होगी और बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। इससे न केवल यात्रा समय की बचत होगी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के नए अवसर भी विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि यह सड़क क्षेत्र की प्रगति, समृद्धि और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य रावेन्द्र सिंह, अतुल मिश्रा, मनीष चंदेल, मनोज सिंह, शिवम द्विवेदी, जयपाल पटेल, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग कमलेश कुमार, जेई ज्ञानेश चौरसिया, दीपांशु प्रियदर्शी, शिवेन्द्र कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीएचसी सफीपुर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ

सफीपुर-उन्नाव। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफीपुर में शनिवार को प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक बम्बालाल दिवाकर ने फीता काटकर केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक बम्बालाल दिवाकर ने कहा कि जन औषधि केंद्र खुलने से क्षेत्र के लोगों को अब आधे से भी कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि केंद्र पर 50 से 80 प्रतिशत तक सस्ती दरों पर दवाइयां मिलेंगी, जिससे गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार का उद्देश्य आम जनता तक किफायती स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है और यह केंद्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय लोगों ने केंद्र के शुभारंभ पर खुशी जताते हुए इसे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने वाला कदम बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र का संचालन नियमित और व्यवस्थित रूप से होगा, जिससे अधिक से अधिक मरीज लाभान्वित हो सकेंगे। कार्यक्रम से पूर्व संचालक अंकित दीक्षित, अमित पांडेय, मनोज पाण्डेय एवं ब्रजेश शुक्ला ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी राजू चौहान, लाले गौड़, राकेश तिवारी, नेहरू गौड़, अनुपम गौड़, कुलदीप तिवारी, पम्मू गौड़, दीपक विमल, सीएचसी अधीक्षक डॉ. राम सहोदर, डॉ. ब्रजेश सिंह, डॉ. लवकुश शुक्ला, सचिन दीक्षित, रणधीर सिंह, सचिन सिंह सहित अन्य लोग मौजूद।

ऑन क्लिक डीबीटी से 4870 किसानों को 1.54 करोड़ की क्षतिपूर्ति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। कलेक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में शनिवार को कृषि विभाग की ओर से फसल बीमा योजना एवं मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण बीमा योजना के अंतर्गत क्षतिपूर्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ऑन क्लिक डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में धनराशि सीधे हस्तांतरित की गई।

समारोह में सदर विधायक पंकज गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी कृति राज तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान राजधानी लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी अतिथियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में उपस्थित किसान बंधुओं ने देखा।

कार्यक्रम के तहत वर्ष 2024-25 के लिए जनपद उन्नाव के 4870 कृषकों को फसल बीमा योजना के अंतर्गत कुल 1.54 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति ऑनलाइन उनके खातों में भेजी गई। वहीं मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण बीमा योजना के 10 लाभार्थियों को 46 लाख रुपये की धनराशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री द्वारा बटन दबाकर प्रदेश के लाभार्थियों के खातों में धनराशि प्रेषित की गई। कलेक्ट्रेट सभागार में विधायक पंकज गुप्ता एवं मुख्य विकास अधिकारी कृति राज ने प्रतीकात्मक रूप से लाभार्थियों को चेक व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

जनपद उन्नाव से फसल बीमा योजना के सात तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के दो लाभार्थियों ने लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में भी सहभागिता की।

इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक संघ की बैठक, आंदोलन की रूपरेखा तय

बांगरमऊ-उन्नाव। टीचर्स फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया (ट्टक्क) के आह्वान पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई गंजमुरादाबाद की कार्यसमिति एवं संघर्ष समिति की संयुक्त बैठक ब्लॉक अध्यक्ष अजय कुमार कटियार की अगुवाई में क्षेत्र के एक होटल परिसर में संपन्न हुई। बैठक में शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। हरदोईऽउन्नाव मार्ग स्थित होटल परिसर में आयोजित बैठक में वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए अनिवार्य रूप से टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के निर्णय का विरोध किया गया। वक्ताओं ने इसे शिक्षकों के साथ अन्यायपूर्ण बताते हुए आंदोलनात्मक कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया। बैठक में तय किया गया कि 22 फरवरी को ट्विटर अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद 23 से 25 फरवरी तक शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करेंगे। साथ ही 26 फरवरी को जिला मुख्यालय पर दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक प्रस्तावित धरने को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

- श्रीकृष्ण-सुदामा मित्रता प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु, भक्तिमय रहा माहौल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम मेला रामकुवर स्थित ठाकुर द्वारा मंदिर में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत पुराण कथा का समापन भक्ति और उल्लास के साथ हुआ। अंतिम दिवस पर राष्ट्रीय कथा वाचक मनीष तिवारी शास्त्री ने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

सातवें दिन उन्होंने भगवान कृष्ण और सुदामा की सच्ची मित्रता का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता कैसी होनी चाहिए, यह श्रीकृष्ण और सुदामा के जीवन से सीखने को मिलता है। कथा में बताया गया कि पत्नी के आग्रह पर सुदामा अपने बाल सखा से मिलने द्वारिका पहुंचे। महल के द्वार पर खड़े द्वारपालों ने उन्हें भिक्षुक समझकर रोक दिया, लेकिन जैसे ही प्रभु को सुदामा के आगमन का समाचार मिला, वे स्वयं द्वार की ओर दौड़ पड़े और अपने मित्र को हृदय से लगा लिया।

इस भावुक दृश्य का वर्णन सुनकर पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। श्रीकृष्ण-सुदामा की झांकी पर फूलों की वर्षा की गई और पूरा वातावरण ह्लकन्हैया-सुदामाङ्क के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम के समापन पर शाम को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजक ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह, जिला पंचायत सदस्य रावेंद्र सिंह, संतोष कुमार, शिवपाल सिंह, मेंवालाल गुप्ता, नरेश पाल सिंह, गेंदेलाल, हिमांशु गुप्ता, अमित सिंह, राहुल निषाद, धर्मेंद्र सिंह, अजय बहादुर सिंह, गोविंद, कुलदीप सिंह, शुभम सिंह, गगन सिंह सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सरोजिनी नगर और नसीमगंज में 'स्वच्छ वार्ड' प्रतियोगिता: घर-घर पहुंची टीम, 'मेरा घर स्वच्छ घर' अभियान तेज

बांगरमऊ-उन्नाव। शासन के निर्देश पर स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर के सरोजिनी नगर और नसीमगंज वार्ड में स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता आयोजित की गई। मकसद साफ था लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और साफ-सुथरे वातावरण का महत्व समझाना। टीमों ने घर-घर दस्तक देकर लोगों को कचरा प्रबंधन और साफ-सफाई अपनाने के लिए प्रेरित किया।

अभियान के दौरान ह्लमेरा घर स्वच्छ घरङ्क पोस्टर घरों पर चिपकाए गए और स्वच्छता से जुड़े पंपलेट बांटे गए। लोगों को सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखने की जानकारी दी गई। समझाया गया कि कचरे का सही निस्तारण बीमारियों से बचाव के साथ-साथ वातावरण को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाता है। सरोजिनी नगर में कार्यक्रम का नेतृत्व स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति की अध्यक्ष गुड़िया बानो ने किया, जबकि नसीमगंज में अध्यक्ष मोहम्मद रईस की अगुवाई में प्रतियोगिता संपन्न हुई। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष राम जी गुप्ता और अधिशासी अधिकारी गुंजन गुप्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने अपील की कि स्वच्छता को आदत बनाएं, तभी शहर साफ रहेगा। इधर, बसंत प्रतियोगिता के तहत नगर पालिका अध्यक्ष ने पालिका कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर हरित संदेश दिया। उन्होंने कहा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलते हैं, जनभागीदारी से ही अभियान सफल होगा।

होली से पहले खाद्य विभाग की सख्ती: खोया मंडी और रेस्टोरेंट पर छापा, कई नमूने जांच को भेजे

बांगरमऊ-उन्नाव। होली पर्व से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने नगर में औचक अभियान चलाया। क्षेत्रीय खाद्य निरीक्षक प्रियंका सिंह ने टीम के साथ खोया मंडी और एक रेस्टोरेंट पर छापा मारकर कई खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेज दिए। कार्रवाई की खबर फैलते ही मिठाई, फास्ट-फूड और होटल संचालकों में हड़कंप मच गया और कई दुकानों के शटर गिर गए। शनिवार सुबह करीब 11 बजे टीम सबसे पहले नानामऊ मार्ग स्थित खोया मंडी पहुंची। जांच टीम को देखते ही ग्रामीण क्षेत्रों से खोया बेचने आए कई लोग मौके से हट गए। टीम ने एक खोया खरीददार का नमूना लिया और पास की दुकान से पानी का सैंपल भी सील किया। इसके बाद टीम हरदोई मार्ग स्थित पूजा रेस्टोरेंट पहुंची, जहां से विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उन्हें सील कर संबंधित प्रयोगशाला भेजा गया। छापेमारी की सूचना मिलते ही उन्नावऽहरदोई रोड, संडीला रोड और लखनऊ रोड पर स्थित खाद्य सामग्री की दुकानों में अफरातफरी का माहौल बन गया। कई दुकानदारों ने एहतियातन अपनी दुकानें बंद कर दीं। टीम देर शाम तक विभिन्न मार्गों पर निरीक्षण करती रही, जिसके चलते अधिकांश होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई-फास्ट फूड की दुकानें बंद रहीं।

ग्राम प्रधान के खेत पर जबरन कब्जे का आरोप, सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत

बांगरमऊ-उन्नाव। क्षेत्र के गांव देवरखेड़ा निवासी एवं वर्तमान ग्राम प्रधान प्रताप पुत्र रामप्रसाद ने अपने खेत पर जबरन कब्जा किए जाने का आरोप लगाते हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित का खेत ग्राम पंचायत रसूलपुर मझगवा में स्थित है, जिसे कथित रूप से पड़ोसी काश्तकारों ने ट्रैक्टर से जोतकर अपने कब्जे में ले लिया। प्रताप का कहना है कि जब उन्होंने विरोध किया तो विपक्षियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें अपमानित किया तथा जानमाल की धमकी दी। पीड़ित ने शिकायत में संबंधित लोगों को नामजद करते हुए खेत की पैमाइश कराकर कब्जा दिलाए जाने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की अपील की है। ग्रामीणों के अनुसार प्रताप ने कई वर्ष पूर्व अपने ही समुदाय के एक व्यक्ति से उक्त भूमि खरीदी थी। आरोप है कि कुछ दबंग प्रवृत्ति के लोगों ने जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है।

अपशिष्ट से उपयोगी वस्तुएं बनाना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम: कुलपति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। पर्यावरण संरक्षण के लिए युवाओं को रचनात्मक सोच के साथ अपशिष्ट से उपयोगी वस्तुएं बनाने की ओर प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों में नवाचार और सतत विकास की भावना को मजबूत करती हैं। यह बातें शनिवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कही।

विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स द्वारा रंजीत सिंह रोजी शिक्षा केंद्र, आईआईटी के सहयोग से तथा कालपी के कारीगरों की सहभागिता में एक दिवसीय हस्तनिर्मित कागज निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय 'अपशिष्ट से कागज निर्माण' रहा, जिसमें बेकार सामग्री को उपयोगी उत्पाद में बदलने की प्रक्रिया सिखाई गई।

कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि नीरज पाठक तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप संगल व डॉ. रीता सिंह की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स के निदेशक डॉ. मिठाई लाल ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का संदेश दिया।

कार्यशाला का सफल समन्वय तनीषा वाधवान ने किया। कार्यक्रम में डॉ. मंतोष, प्रियंशी, प्रिया मिश्रा, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. बप्पा माजी, डॉ. रणधीर सिंह व विनय सिंह सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर हस्तनिर्मित कागज तैयार किया।

तस्करी कर बिहार जा रही 25 लाख की अवैध शराब के साथ एक अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद में थाना रसूलपुर पुलिस टीम ने शनिवार को अंतरराज्यीय एक शराब तस्कर आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 25 लाख की अवैध शराब बरामद की गई है। बरामद शराब हरियाणा से तस्करी कर बिहार ले जाई जा रही थी।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि जनपद में अवैध शराब तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी के क्रम में थाना प्रभारी रसूलपुर प्रदीप कुमार पुलिस टीम के साथ आज क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी उन्होंने सूचना पर आरोपित नरेश पुत्र बाबूलाल निवासी बायतू ग्राम सभा पंजी थाना बायतू जिला बाड़मेर राजस्थान को एक ट्रक समेत पकड़ लिया गया। ट्रक की तलाशी में 200 पेटी भिन्न भिन्न ब्राण्ड की अवैध अंग्रेजी शराब जिन पर फोर सेल इन हरियाणा ओनली लिखा हुआ है को बरामद कर लिया गया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। एएसपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपित नरेश चौधरी ने बताया है कि ट्रक नम्बर यूपी 16 ईटी 2295 की इंजन व चैसिस नम्बर की जानकारी को छिपाते हुये शराब को लादकर पीपली खरखौदा हरियाणा से कानपुर होते हुए बिहार मे सप्लाई करता है।

दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल

1.136 करोड़ से बना घोसियाना मुक्तिधाम मार्ग

- विधायक योगेश वर्मा व डीएम ने किया लोकार्पण, सेटघाट तक नए संपर्क मार्ग की घोषणा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। अंतिम यात्रा–एक ऐसा क्षण जहाँ हर कदम संवेदना से जुड़ा होता है। घोसियाना मुक्तिधाम तक जाने वाला जर्जर मार्ग वर्षों से शोक संतप्त परिजनों के लिए पीड़ा का कारण बना हुआ था। टूटे-फूटे रास्ते और फिसलन भरे हालात अंतिम विदाई के क्षणों को और कठिन बना देते थे। आमजन की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने इसे महज सड़क निर्माण नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का विषय मानते हुए समाधान का संकल्प लिया, जो अब साकार हो चुका है।

क्रिटिकल गैप, विकास शुल्क निधि एवं क्षेत्र पंचायत निधि के कन्वर्जेंस से कुल 1.136 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस मार्ग का लोकार्पण विधायक योगेश वर्मा, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार एवं क्षेत्र पंचायत प्रमुख दिव्या सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग एवं क्षेत्र पंचायत लखीमपुर द्वारा समयबद्ध ढंग से पूरा कराया गया। डीएम ने कहा कि यह केवल सड़क नहीं, बल्कि जनहित और सम्मान का मार्ग है। 660 मीटर लंबाई में बनी सीसी सड़क, दोनों ओर इंटरलॉकिंग पटरी एवं सुदृढ़ नालियों के निर्माण से अब अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

इस मार्ग के निर्माण से पलिया और निघासन की ओर से आने वाले वाहन सीधे मुक्तिधाम पहुंच सकेंगे, जिससे महेवागंज, मेला मैदान और इमली चौराहा क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होगा।

स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब अंतिम यात्रा में शामिल होने वालों को सम्मान जनक और सहज मार्ग उपलब्ध हो सका है।

मुक्तिधाम मार्ग से मिली राहत, सेटघाट तक बनेगा नया संपर्क मार्ग विधायक योगेश वर्मा ने घोषणा की कि शीघ्र ही मुक्तिधाम से सड़क मार्ग के जरिए सेटघाट को जोड़ा जाएगा। इससे मुक्तिधाम-सेटघाट-सैधरी तक नया संपर्क मार्ग तैयार होगा, जो क्षेत्रवासियों के लिए और अधिक सुविधा प्रदान करेगा। प्रमुख क्षेत्र पंचायत दिव्या सिंह ने भी जनसमूह को संबोधित किया। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी तरुणेन्द्र त्रिपाठी, एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, बीडीओ ज्ञानेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

राजीव सिंह ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को परखा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। प्रशासनिक न्यायमूर्ति, इलाहाबाद उच्च न्यायालय (लखनऊ खंडपीठ) राजीव सिंह ने शनिवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ जिला जज शिव कुमार सिंह, जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग मौजूद रहीं। इस अवसर पर सीजेएम प्रमोद कुमार यादव एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप कुमार कुशवाहा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रशासनिक न्यायमूर्ति ने पुरुष एवं महिला बंदीगृह में जाकर बंदियों से सीधे संवाद किया और उनके खानपान, मूलभूत सुविधाओं, मुकदमों की स्थिति, जमानत, पैरवी एवं हिस्ट्री टिकट संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न बैरकों, कारागार अस्पताल एवं अन्य इकाइयों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।महिला बंदीगृह में निरुद्ध महिलाओं को साड़ी तथा उनके शिशुओं को उपहार भेंट किए गए। कारागार में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। कारागार चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के संबंध में चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक पी.डी. सलोनिया, जेलर एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जेल में संचालित गौशाला का भी किया अवलोकन

प्रशासनिक न्यायमूर्ति ने जिला कारागार परिसर में संचालित गौशाला का निरीक्षण किया। पूछताछ पर कारागार अधीक्षक ने बताया कि गौशाला की शुरुआत डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अभिनव पहल पर की गई है।

गोला तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित 50 में 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला के सभागार में उप जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से राजस्व एवं आपदा विभाग की 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 46 शिकायतों को संबंधित विभागों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र निस्तारण के निर्देशों सहित प्रेषित किया गया। प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिक 27 प्रार्थना पत्र राजस्व एवं आपदा विभाग से जुड़े रहे। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग की 9, संयुक्त जांच हेतु 5, खाद एवं रसद विभाग की 2, तथा ग्राम विकास, विद्युत एवं बैंक विभाग की एक-एक शिकायत शामिल रही। उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। समाधान दिवस में आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर ओबीसी समाज ने दी आंदोलन की चेतावनी

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर स्थित पटेल संस्थान के अध्यक्ष राजीव पटेल ने ओबीसी समाज से जुड़े एक प्रकरण में पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि आरोपी डॉ. पीयूष शुक्ला की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं की गई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। राजीव पटेल के अनुसार 5 फरवरी 2026 को गोला निवासी डॉ. पीयूष शुक्ला द्वारा सोशल मीडिया पर जारी कुछ वीडियो में ओबीसी समाज के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया, जिससे कुर्मी सहित अन्य ओबीसी समुदाय में आक्रोश व्याप्त है। आरोप है कि पूर्व दर्ज़ा प्राप्त राज्य मंत्री सुरजन लाल वर्मा से फोन पर हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सोशल मीडिया पर वायरल की गई, जिसको लेकर समाज के लोगों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। पटेल संस्थान व ओबीसी समाज के प्रतिनिधियों ने आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली गोला में साक्ष्यों सहित तहरीर दी। उनका कहना है कि प्रारंभ में मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

ग्राम लौकिहा में बसंतकालीन गन्ना बुवाई को बढ़ावा देने हेतु भव्य कृषक संगोष्ठी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज हिंदुस्तान लिमिटेड चीनी मिल खम्भारखेड़ा द्वारा ग्राम लौकिहा में बसंतकालीन गन्ना बुवाई को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक भव्य कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान एवं कृषि विशेषज्ञ उपस्थित रहे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर के वैज्ञानिक सहायक निदेशक डॉ. परवीन कुमार कपिल, गन्ना विकास परिषद खम्भारखेड़ा के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक सुरेश कुमार चौधरी, ब0हि0शु0लि0 चीनी मिल खम्भारखेड़ा के महाप्रबंधक (गन्ना) पुष्पेंद्र ढाका, सहायक महाप्रबंधक (गन्ना) संजीव कुमार, क्षेत्रीय प्रभारी अनूप अवस्थी एवं अशोक कुमार सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे। डॉ. परवीन कुमार कपिल ने बसंतकालीन गन्ना बुवाई की आधुनिक तकनीकों पर विस्तार से जानकारी देते हुए भूमि एवं बीज शोधन, अधिकतम उत्पादन तकनीक और फसल संरक्षण उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि गन्ने की पंक्ति से पंक्ति की दूरी न्यूनतम 4 फीट रखें, मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करें तथा स्वीकृत गन्ना प्रजातियों की ही बुवाई करें। उन्होंने बीज उपचार (थायोफिनेट मिथाइल), भूमि उपचार (ट्राइकोडर्मा), सिंगल बड तकनीक, ट्रेंच विधि, जैविक खाद के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रयोग एवं पेड़ी प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक सुरेश कुमार चौधरी ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्नत एवं स्वीकृत गन्ना प्रजातियों की बुवाई पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में अनुपयुक्त, प्रतिबंधित या अस्वीकृत गन्ना प्रजातियां–नकली 9709, एच.आर. 119 तथा पी.बी. की प्रजातियां–किसी भी स्थिति में न बोई जाएं। महाप्रबंधक (गन्ना) पुष्पेंद्र ढाका ने किसानों से अपील की कि बसंतकालीन बुवाई में उन्नतिशील प्रजातियां जैसे को.0118, को.15023, को.लख.14201, को.शा.13235, को.लख.16202, को.शा.18231 एवं को.शा.13231 को अपनाएं। उन्होंने ट्रेंच विधि से बुवाई करने तथा बीज एवं भूमि को ट्राइकोडर्मा एवं फफूंदनाशी घोल से उपचारित करने पर विशेष बल दिया।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष अवधेश कुमार गुप्ता का संदेश भी कार्यक्रम में साझा किया गया। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि बसंतकालीन बुवाई में ट्रेंच विधि (4 फीट) अथवा दूरी विधि (3 से 3.5 फीट) का प्रयोग करें। साथ ही कोल्हू एवं खांडसारियों को गन्ना न बेचते हुए अपने बेसिक कोटे को सुदृढ़ बनाने की अपील की, ताकि आगामी पेराई सत्र में अधिकतम लाभ प्राप्त किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

22 फरवरी को मेगा विधिक सहायता शिविर

लखीमपुर-खीरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखीमपुर खीरी के तत्वावधान में एक दिवसीय मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 22 फरवरी 2026 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, राजापुर के ऑडिटोरियम परिसर में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य जनपद के निर्धन वर्ग, दिव्यांगजन, महिलाएं, बच्चे, श्रमिक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित आम जनता को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना एवं उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करना है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क औषधि वितरण, दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल एवं छड़ी वितरण, राशन कार्ड संबंधी जानकारी, खाद-बीज, सिंचाई, उर्वरक व कीटनाशक, निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश, बैंक ऋण एवं बीमा योजनाएं, चिकित्सा कार्ड, बालिका एवं महिला कल्याण योजनाएं, पेंशन योजनाएं, जल जीवन मिशन, श्रम विभाग की योजनाएं, पशुपालन व मत्स्य पालन संबंधी जानकारी, राजस्व, मानवाधिकार, तकनीकी प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार से संबंधित परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखीमपुर-खीरी प्रदीप कुमार कुशवाहा ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने जीवन को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाएं।

धामपुर में सड़क चौड़ीकरण कार्य शुरू, नागरिकों में खुशी

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद में नगर धामपुर की सड़क चौड़ीकरण का कार्य आरंभ हो गया है। इसके निर्माण के लिए धामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक कुमार राणा ने काफी प्रयास किए थे। उनके प्रयास से उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग द्वारा नगर धामपुर में नेशनल हाईवे 74 पर स्थित राजपूताना वेंकट हाल के समीप से दुर्गा विहार कॉलोनी तक सड़क चौड़ीकरण कार्य कराये जाने की अनुमति प्रदान की गई थी। जिसके अंतर्गत लोनिवि की ओर से उक्त सड़क की दोनों साइड को खोद डाला गया था। सड़क की खुदाई के चलते यहां से गुजरने वाले वाहन तथा जनमानस चोटिल हो रहे थे। इसका मुख्य कारण यह बताया जा रहा था की वन विभाग द्वारा सड़क के दोनों किनारों पर सरकारी पेड़ों को नहीं कटवाया जा रहा था। यह पेड़ सड़क चौड़ीकरण निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रहे थे। इस संबंध में वन क्षेत्राधिकारी शशांक कुमार गुप्ता ने शनिवार को प्रेस वार्ता की। उन्होंने जानकारी दी कि सरकारी पेड़ों को काटने की परमिशन दिया जाना जनपद के वन विभाग के क्षेत्राधिकार के बाहर है। इसकी परमिशन शासन स्तर पर ही दी जाती है। इस मामले में कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश शासन वन विभाग से परमिशन दिए जाने की मांग की गई थी। जो स्वीकृत हो चुकी है। अब सड़क के चौड़ीकरण में कोई बाधा नहीं है। जिसके परिणाम स्वरूप सड़क का चौड़ीकरण का कार्य आरंभ हो चुका है।

भाई की मौत से आहत युवक ने फांसी लगा दी जान

फर्रुखाबाद। थाना शमसाबाद क्षेत्र के मोहल्ला बढ़ियन टोला में शनिवार को एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोहल्ला बढ़ियन टोला निवासी 38 वर्षीय सत्यवीर यादव दिल्ली में एक नमकीन फैक्ट्री में कार्यरत थे। परिजनों के अनुसार करीब पांच माह पूर्व उनके बड़े भाई सहवीर की वाराणसी में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। भाई की असमय मौत के बाद से सत्यवीर मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। शनिवार सुबह सत्यवीर शौच और नाश्ता करने के बाद अपने कमरे में चले गए और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी समय तक बाहर न आने पर परिजनों को आशंका हुई।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार शादी का झांसा देकर किया था शोषण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। थाना हैदराबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शादी का झांसा देकर नाबालिग युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार राय एवं क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी के पर्यवेक्षण में थाना हैदराबाद प्रभारी निरीक्षक सुनील मलिक के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने आरोपी को दबोच लिया। थाना हैदराबाद में पंजीकृत मु0अ0स0 032/2026, धारा 137(2)/87/64(1) बीएनएस व 5(ख)(द्वद्व)/6(1) पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत नामजद आरोपी करन सिंह (पुत्र दाताराम, निवासी ग्राम आंवला, थाना हैदराबाद, जनपद खीरी, उम्र करीब 22 वर्ष) को 21 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि उसने शादी का झांसा देकर नाबालिग युवती के साथ दुष्कर्म किया था। गिरफ्तारी के उपरांत आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण कर न्यायालय खीरी के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल राजू वर्मा एवं कांस्टेबल धर्मेन्द्र वर्मा शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि ऐसे अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

माता पूर्णागिरी धाम में 5S6 मार्च को सजेगा 12वाँ विशाल भंडारा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। शक्तिपीठ माता पूर्णागिरी धाम में इस वर्ष भी भक्ति और सेवा का अनुपम संगम देखने को मिलेगा। श्री शिव सेवक दिल्ली शाखा (छोटी काशी खीरी) द्वारा अपनी 11 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आगामी 5 और 6 मार्च को 12वें विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन माता के दरबार में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सेवा को समर्पित रहेगा। संस्था के सेवादारों ने बताया कि पिछले एक दशक से अधिक समय से छोटी काशी के भक्तों का जत्था हर वर्ष माता पूर्णागिरी की दुर्गम पहाड़ियों पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की निष्ठापूर्वक सेवा करता आ रहा है। इस वर्ष आयोजन अपने 12वें पड़ाव पर पहुंच गया है, जिसे लेकर दिल्ली और गोला गोकर्णनाथ के सेवादारों में खासा उत्साह है। आयोजन समिति के अनुसार भंडारे का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूर-दराज से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें भरपेट प्रसाद उपलब्ध कराया जा सके।

पलिया विधानसभा में सपा नेता धनंजय उपाध्याय का तूफानी दौरा, बजट पर उठाए सवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकला खीरी। समाजवादी पार्टी के नेता धनंजय उपाध्याय ने पलिया विधानसभा क्षेत्र का तूफानी दौरा करते हुए लगभग एक दर्जन गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने पलिया नगर, अटरिया, बसंतपुर, मलिनिया सहित कई गांवों में पहुंचकर स्थानीय लोगों को संबोधित किया।

जनसभाओं में सपा नेता ने केंद्र और प्रदेश सरकार के हालिया बजट पर सवाल उठाते हुए कहा कि ह्लडबल इंजन सरकारङ्क द्वारा पेश बजट में मध्यम वर्ग को केवल झांसा देने का कार्य किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर सदन में बजट पेश किया जा रहा था, तो दूसरी ओर घरेलू गैस के दाम बढ़ाए जा रहे थे। उनके अनुसार बजट आम जनता की समझ से परे है और सरकार स्वयं अपनी उपलब्धियों का बखान कर रही है, जबकि आम नागरिक महंगाई से जूझ रहा है। धनंजय उपाध्याय ने दावा किया कि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में जनता के सहयोग से प्रदेश में पीडीए की सरकार बनेगी और सपा सरकार बनने पर प्रदेश में खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध जैसी समस्याएं समाप्त होंगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि जब भाजपा के नेता वोट मांगने आएं तो उनसे उनके कार्यों का हिसाब अवश्य पूछें। दौरे के दौरान डॉ. विमलेंद्र गौतम, गुरप्रीत सिंह नन्नर, हरविंदर सिंह बिन्नी, राजा खान, रमेश कुमार, राकेश, अटल कुमार, एनूफ बेग, सुक्खी, नजर अहमद सहित अन्य कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

संस्कृत और संस्कृति ही विकसित भारत का आधार : रमेश अवस्थी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। पंडित सुरति नारायण मणि त्रिपाठी की स्मृति में बने संस्कृत विकास परिषद द्वारा देवारण्य संस्कृत समागम का आयोजन बरपार गांव स्थित जेईसीपी के बरगद सभागार में किया गया। इस समागम में पहुंचे प्रबुद्धजनों ने संस्कृत भाषा को भारतीय संस्कृति, स्वावलम्बन और स्वदेशी आधारित विकसित भारत के साथ विकसित देवरिया लोकसभा के निर्माण का प्रमुख आधार बताया। देवारण्य संस्कृत समागम में संस्कृत विकास परिषद के संरक्षक एवं देवरिया लोकसभा के सांसद शशांक मणि ने चर्चा के लिए तीन प्रमुख बिंदुओं को रखा। जिसमें पहला, देवरिया-कुशीनगर को संस्कृत भाषा का देश में अग्रणी कैसे बनाया जाए। दूसरा संस्कृत भाषा के माध्यम से अपनी संस्कृति को कैसे मजबूत करें। तीसरा, संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए स्वालम्बन और स्वदेशी के माध्यम से विकसित भारत और विकसित देवरिया लोकसभा के लिए संकल्पित अमृत प्रयास में कैसे योगदान दे सकते हैं।

मुख्य अतिथि कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रुप में पैकौली कुटी के पीठाधीश्वर कौशलेंद्र दास महाराज ने अपनी बात रखी। सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और ज्ञान परम्परा की वाहक है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत तथा अर्थशास्त्र और नाट्यशास्त्र जैसे महान ग्रंथों ने भारतीय सभ्यता को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित किया है। उन्होंने कहा कि संस्कृत ने सदियों से भारतीय संस्कृति को जीवंत बनाए रखा है और आज भी विकसित भारत के संकल्प को ऊर्ज़ा देने की क्षमता रखती है। विशिष्ट अतिथि और पैकौली कुटी के पीठाधीश्वर एवं पवहारी महाराज कौशलेंद्र दास ने कहा कि देवरिया से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन पूरे देश में फैलाया जाएगा।

महाप्रबंधक ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडे ने त्यौहार के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए किए गए इंतज़ामों का जायजा लेने के लिए आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने अजमेरी गेट की तरफ वाले प्रवेश द्वार, एस्केलेटर, फुट ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने भीड़भाड़ प्रबंधन का भी मूल्यांकन किया तथा स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं पर यात्रियों की प्रतिक्रिया लेते हुए उनके साथ बातचीत की। उन्होंने प्लेटफार्म नं.16 पर मिनी कंट्रोल रूम का दौरा किया तथा आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की आवाजाही के बारे में जानकारी ली।

इस दौरान उनके साथ पुष्पेश रमन त्रिपाठी, मडल रेल प्रबंधक, दिल्ली, प्रवीण पांडे, पीसीसीएम, उत्तर रेलवे; श्री पंकज गंगवार, पीसीएससी/आरपीएफ; प्रेम शंकर गुप्ता, पीसीई और दिल्ली मंडल के अधिकारी भी उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि रेलवे ने त्यौहार के दौरान भारी भीड़भाड़ होने के बावजूद यात्रियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए व्यापक इंतज़ाम किए है। श्री पांडे ने आगे अवगत कराते हुए कहा कि ''यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

होली के त्यौहार के दौरान यात्रियों की संख्या में होने वाली बढ़ोतरी को देखते हुए उत्तर रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए रोज़ चलने वाली ट्रेनों के अलावा त्यौहार विशेष ट्रेनें भी चला रहा है।

उन्होंने भरोसा जताया कि रेलवे द्वारा की गई इन व्यापक व्यवस्थाओं से होली के त्यौहार के दौरान लाखों यात्रियों के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित होगी। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सेवाओं की निरंतर निगरानी तथा सुधार करने के निर्देश दिए।

सुपर आठः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक और सूर्यकुमार को संभालना होगा मोर्चा

एजेंसी

अहमदाबाद। ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतकर खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत करने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, केशव महाराज और एडन मार्क्रम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। दोनों टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी। भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (दो अर्धशतक और 202 का स्ट्राइक रेट) को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। अभिषेक शर्मा लगातार तीन मैच में शून्य पर आउट हो चुके हैं और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पहले रन का इंतजार है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है लेकिन इन दोनों ने ऐसी पिचों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पंड्या (स्ट्राइक रेट 155) और शिवम दुबे (स्ट्राइक रेट 178) पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है। टीम को इन दोनों ऑलराउंडर से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अभिषेक के लगातार दो बार ऑफ स्पिनरों के हाथों आउट हुए हैं और इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मार्क्रम पावरप्ले में ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने का फैसला करते हैं या नहीं। भारतीय टीम के लिए भले ही अभिषेक की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, लेकिन पहले चरण में तिलक की लचर बल्लेबाजी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 24 गेंदों में 25 रन, नामीबिया के खिलाफ 21 गेंदों में 25 रन और नीदरलैंड के खिलाफ 27 गेंदों में 31 रन बनाए। इस तरह से वह अभी तक अधिकतर मैच में रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे।

उन्होंने सरासर झूठ बोला: बांग्लादेश के सहायक कोच ने पूर्व खेल सलाहकार नजरुल को लताड़ा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के सहायक कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन ने पूर्व खेल सलाहकार आसिफ नजरुल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया और मौजूदा टी20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी के संबंध में अपना रुख बदल दिया। सलाहुद्दीन ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के फैसले को स्वीकार करना बेहद मुश्किल था। उन्होंने दावा किया कि टीम के दो सदस्य मानसिक रूप से बुरी तरह टूट गए थे। नजरुल ने शुरू में यह दावा किया था कि सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत की यात्रा न करने का फैसला सरकार ने लिया था। लेकिन अपने पद से इस्तीफा देने के बाद वह इससे मुकर गए और उन्होंने कहा था कि यह फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों ने लिया था। सलाहुद्दीन ने पत्रकारों से कहा, ''उन्होंने सरासर झूठ बोला। मैं भी एक शिक्षक हूं और शिक्षक आम तौर पर कम झूठ बोलते हैं। वह इस तरह खुलेआम झूठ बोलेंगे। मैं सचमुच इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। मैं खिलाड़ियों को अपना चेहरा कैसे दिखाऊंगा। उन्होंने तो एकदम यू-टर्न ले लिया। सलाहुद्दीन ने कहा कि फैसला लेने में खिलाड़ियों की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा, ''वह ढाका विश्वविद्यालय में शिक्षक हैं। मेरे देश के सर्वोच्च शिक्षण संस्थान का कोई व्यक्ति इस तरह का झूठ बोल रहा है। हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। हम इसे कैसे स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने पहले कुछ कहा और बाद में अपने बयान से पलट गए। बांग्लादेश ने अपने मैच खेलने के लिए भारत आने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में उसकी जगह शामिल किया गया था। सलाहुद्दीन ने कहा कि टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने के बाद खिलाड़ी बेहद निराश थे। उन्होंने कहा, '' विश्व कप में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है और उनका सपना एक पल में चकनाचूर हो गया। मैं जानता हूं कि हमारे दो खिलाड़ी पांच दिन तक सदमे में रहे। वे पूरी तरह से टूट चुके थे।

संक्षिप्त समाचार

हमने अपने ग्रुप की कुछ टीमों को कम करके आंकाः ब्रूक

पाल्लेकल (श्रीलंका)। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने शनिवार को स्वीकार किया कि उन्होंने अपने ग्रुप की कुछ टीमों को कम करके आंका और कहा कि उनकी टीम अब टी20 विश्व कप के सुपर आठ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंग्लैंड की टीम का ग्रुप चरण में प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा तथा उसे एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा जबकि वेस्टइंडीज ने उसे हराया था। नेपाल के खिलाफ एक समय इंग्लैंड की टीम हार के कगार पर पहुंच गई थी लेकिन आखिर में वह चार रन से जीत दर्ज करने में सफल रही। उसे स्कॉटलैंड और इटली के खिलाफ भी संघर्ष करना पड़ा था। इंग्लैंड रविवार को सुपर आठ के अपने पहले मैच में श्रीलंका का सामना करेगा। ब्रूक ने मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, '' हमारे लिए इस प्रतियोगिता की शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही। हमने शायद कुछ टीमों को कम करके आंका और उन्होंने कड़ी टक्कर दी। शुक्र है कि हम पहला चरण पार करने में सफल रहे। अब हम सुपर आठ में हैं और अब हमारा मुख्य ध्यान इसी पर है। उन्होंने कहा, ''हम इसे अब एक नई प्रतियोगिता के रूप में देख रहे हैं। अंकों को आगे ले जाने या इस तरह की किसी भी चीज के न होने के कारण यह पूरी तरह से एक नई शुरुआत है और हम इसे इसी रूप में देख सकते हैं। ब्रूक ने कहा, ''अभी कुछ ही खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी आगामी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और टीम के लिए मैच जीतेंगे। इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप की तैयारी के तौर पर इसी महीने की शुरुआत में इसी मैदान पर श्रीलंका को 3-0 से हराकर टी20 श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया था। ब्रूक ने कहा,''हमने उनके खिलाफ इस मैदान पर अच्छा प्रदर्शन किया था। यहां की परिस्थितियों से वाकिफ होने के कारण हमारा मनोबल बढ़ा है। हम श्रीलंका का सामना करने के लिए बेहद उत्सुक हैं। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलेंगे और उन पर दबाव बनाएंगे। ब्रूक ने यह भी स्वीकार किया कि ग्रुप चरण में उनके बल्लेबाजों ने थोड़ा अधिक सतर्क रवैया अपनाया और कहा कि वे आगे अधिक आक्रामक रुख अपनाएंगे। उन्होंने कहा, ''हम बल्लेबाजी करते समय कुछ ज्यादा ही सतर्क रहे हैं। हम शायद कुछ खास परिस्थितियों में थोड़ा और साहसी हो सकते हैं और अपने निचले क्रम के बल्लेबाजों पर अधिक भरोसा रख सकते हैं। श्रीलंका टीम के बारे में उन्होंने कहा, ''मैंने सीखा है कि आप किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, जैसा कि हमने ग्रुप चरण में किया। श्रीलंका के कुछ बल्लेबाज बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि हम पावर प्ले में कुछ विकेट ले पाएंगे। पथुम निसांका इस समय अच्छी फॉर्म में हैं। अगर हम उन्हें जल्दी आउट कर सके तो यह शानदार होगा।

ट्रंप के कार्यक्रम में भाग लेने वाले इन्फेंटिनो की राजनीतिक तटस्थता की जांच करेगा आईओसी

मिलान। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने कहा कि विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' कार्यक्रम में भाग लेने के कारण उनकी राजनीतिक तटस्थता की जांच की जाएगी। इन्फेंटिनो और कोवेंट्री आईओसी के उन 107 सदस्यों में शामिल हैं, जो 'राजनीतिक हितों से हटकर स्वतंत्र रूप से कार्य करने' की शपथ से बंधे हुए हैं। ट्रंप ने गुरुवार को वाशिंगटन डीसी में इस कार्यक्रम की मेजबानी की, जहां इन्फेंटिनो ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ की तरफ से समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत गाजा में फीफा की धनराशि से 75 मिलियन डॉलर का निवेश किया जा सकता है। इस साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप से पहले इन्फेंटिनो ने फीफा को अमेरिकी सरकार के साथ करीब से जोड़ने की कोशिश की है। उन्होंने पिछले साल ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था और इसके बाद भी वह कई बार ट्रंप से मिल चुके हैं। कोवेंट्री ने शुक्रवार को मिलान कोर्टिना शीतकालीन खेलों में अपनी अंतिम प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''ओलंपिक चार्टर अपने सदस्यों से क्या अपेक्षा करता है इस बारे में हमारी नीति बहुत स्पष्ट है। मुझे लगता है कि हम दस्तावेजों पर कथित हस्ताक्षर की जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि इन्फेंटिनो ने इस बैठक में मुख्य भूमिका निभाई थी। कोवेंट्री ने कहा, ''अब जब आप लोगों ने हमें इसके बारे में बता दिया है तो हम इसकी जांच करेंगे।''

इंसान को अप्रासंगिक नहीं बनाएगा एआई, मानवीय क्षमताओं को देगा मजबूतीः सिस्को अध्यक्ष

नयी दिल्ली। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी सिस्को के अध्यक्ष एवं मुख्य उत्पाद अधिकारी जीतू पटेल ने कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण इंसानों के अप्रासंगिक हो जाने की आशंका को निराधार बताते हुए कहा है कि असली सफलता मानवीय निर्णय-क्षमता और मशीनी स्तर के स्वचालन के संयोजन में निहित है। पटेल नेखास बातचीत में कहा, मुझे ऐसा कोई परिदृश्य नहीं दिखता जहां समाज में मनुष्यों का योगदान पूरी तरह समाप्त हो जाए। यह बात काफी दूर की कौड़ी लगती है। उन्होंने तर्क दिया कि मनुष्यों के अप्रासंगिक हो जाने की आशंका एआई की पूरक भूमिका को नजरअंदाज करती है। उन्होंने कहा, असल में जादू तब होता है जब आप मानवीय सहज बुद्धि और निर्णय क्षमता को एआई के बड़े पैमाने पर स्वचालन के साथ जोड़ते हैं। पटेल ने कहा कि एआई प्रणालियां तेजी से उन्नत हो रही हैं। चैटबॉट से लेकर ऐसे स्वायत्त एजेंट तक हैं जो खुद निर्णय लेकर कदम उठा सकते हैं। लेकिन ये उपकरण मानव क्षमताओं की जगह लेने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें मजबूती देने के लिए बनाए गए हैं। हालांकि सिस्को के वरिष्ठ अधिकारी ने यह स्वीकार किया कि स्वचालन बढ़ने के साथ नौकरियों की प्रकृति बदलेगी और कुछ भूमिकाएं समाप्त भी हो सकती हैं, लेकिन साथ ही नए उद्योग और अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा, कुछ नौकरियां भले खत्म हो जाएं और हर नौकरी का स्वरूप बदल जाए, लेकिन एआई के कारण पूरी तरह नए उद्योग पैदा होंगे, जिनका पहले वजूद नहीं था।

कीनिया में अहलावत और शर्मा ने कट हासिल किया, संधू चूके

एजेंसी

नैरोबी। भारत के वीर अहलावत ने तीन अंडर 67 और शुभंकर शर्मा ने पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया जिससे वे मैजिकल कीनिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने में सफल रहे। अहलावत ने पहले दो दौर में 67-67 का स्कोर बनाया और वह छह अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 28वें स्थान पर हैं। शर्मा ने दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन किया तथा छह बर्डी और एक बोगी करके पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया। दो दिनों के बाद उनका कुल स्कोर चार अंडर पर है और वह संयुक्त 55वें स्थान पर हैं। भारत के एक अन्य गोल्फर युवराज संधू 69-71 के स्कोर के साथ कट से चूक गए। फ्रेडरिक लैक्रॉइक्स ने दूसरे दौर में 62 का स्कोर बनाकर केसी जार्विस के साथ बढ़त साझा की। इन दोनों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है।

श्रीलंका के खिलाफ पिछली श्रृंखला के प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा इंग्लैंड

एजेंसी

पाल्लेकल (श्रीलंका)। अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली इंग्लैंड की टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट से पहले श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने के प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। इंग्लैंड ने इसी महीने की शुरुआत में श्रीलंका को टी20 श्रृंखला में 3-0 से हराया था और वह सुपर आठ के मैच में अपने इस प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड का टी20 विश्व कप में प्रदर्शन अभी तक प्रभावशाली नहीं रहा है। उसे एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था जबकि पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज से उसे हार मिली थी। सह-मेजबान श्रीलंका ने आयरलैंड और ओमान पर जीत के साथ शुरुआत की। उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके उसे आठ विकेट से हराया। लेकिन गुरुवार को कोलंबो में अपने आखिरी ग्रुप मैच में जिम्बाब्वे से हारने के बाद श्रीलंकाई टीम की लय बिगड़ गई। दोनों टीमों के लिए यह एक नई शुरुआत होगी, जिसमें श्रीलंका घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। दूसरी तरफ इंग्लैंड उस स्थान पर अपनी लय वापस हासिल करने की कोशिश करेगा जहां उसने कुछ दिन पहले अच्छा प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड ने लीग चरण के अपने सभी मैच भारत में खेले हैं और श्रीलंका लौटकर खुश होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक जड़ने वाले श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे। वह इस टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाले तीन खिलाड़ियों में से एक हैं और अब तक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। कुसल मेंडिस भी अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने चार मैचों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। इंग्लैंड के गेंदबाज श्रीलंका के जिन प्रमुख बल्लेबाजों को निशाना बनाना चाहेंगे, उनमें वह भी शामिल होंगे। जहां तक इंग्लैंड की बात है तो उसके बल्लेबाज अभी तक रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। उसकी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जैकब बेथेल ने किया है जिन्होंने अभी तक 143 रन बनाए हैं। कप्तान हैरी ब्रूक और सीनियर बल्लेबाज जोस बटलर की फॉर्म इंग्लैंड के लिए महत्वपूर्ण होगी। अगर गेंदबाजी की बात करें तो श्रीलंका के ऑफ स्पिनर महीश तीक्षाना चार मैचों में छह विकेट लेकर उसके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार को मिली हार से ठीक पहले तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के टूर्नामेंट से बाहर हो जाने से श्रीलंका को करारा झटका लगा। पथिराना की जगह टीम में शामिल किए गए दिलशान मदुशंका ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने तीन ओवरों में केवल 20 रन दिए। तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा अंतिम ग्रुप मैच में आराम करने के बाद वापसी करने के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड की गेंदबाजी में निगाहें आदिल राशिद और लियाम डॉसन की स्पिन जोड़ी के साथ-साथ तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर पर टिकी होंगी। वर्तमान में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लेग-स्पिनरों में से एक राशिद ने चार मैचों में छह विकेट लिए हैं। वह रविवार को एक बार फिर इंग्लैंड के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। डॉसन अब तक काफी किफायती रहे हैं। राशिद ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चार ओवर में 16 रन देकर दो विकेट लिए, लेकिन अन्य मैचों में वह महंगे साबित हुए। उन्होंने एसोसिएट देशों के खिलाफ 11 ओवर में कुल मिलाकर 121 रन देकर चार विकेट लिए। इंग्लैंड के कामचलाऊ गेंदबाज विल जैक्स और जैकब बेथेल के लिए भी परिस्थितयां अनुकूल होनी चाहिए। इन दोनों ने इसी महीने की शुरुआत में इंग्लैंड की 3-0 से जीत में गेंदबाज़ी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को यहां बारिश की भविष्यवाणी की है।

केंद्र ने व्यापार सूचकांक के आधार वर्ष को वित्त वर्ष 2022-23 में अपडेट किया

एजेंसी

नई दिल्ली,। केंद्र सरकार ने भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव कर इसे वित्त वर्ष 2012-13 से बदल कर वित्त वर्ष 2022-23 कर दिया है। यह कदम देश की बदलती व्यापार संरचना और वैश्विक रुझानों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

वाणिज्य मंत्रालय ने भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव की घोषणा कर इसे 2012-13 से बदल कर 2022-23 कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि अर्थव्यवस्था में आए ढांचागत बदलावों, व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए यह कदम उठाया गया है। मंत्रालय ने बताया कि इस बदलाव से व्यापारिक आंकड़ों की प्रासंगिकता और विश्वसनीयता बढ़ेगी, जो नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं के लिए अब अधिक उपयोगी साबित होंगे। ये सूचकांक मंत्रालय के अधीन आने वाले वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई-एंड-एस) द्वारा तैयार एवं प्रकाशित किए जाते हैं। ये सूचकांक देश के बाहरी व्यापार क्षेत्र में कीमतों के उतार-चढ़ाव को समझने, राष्ट्रीय खातों के संकलन और व्यापार की शर्तों के आकलन के लिए महत्वपूर्ण संकेतक माने जाते हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सूचकांकों का संकलन और प्रकाशन करने वाले डीजीसीआई-एंड-एस ने कहा कि व्यापार सूचकांकों का आधार वर्ष में यह संशोधन अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलावों, वस्तुओं की बदलती संरचना और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में परिवर्तनों के अनुरूप आंकड़ों को समायोजित करता है। अद्यतन श्रृंखला में 2022-23 को नया आधार वर्ष माना गया है, जो (2022-23 = 100)। ये कदम व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ और बेहतर तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया है।

भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी न्यायालय के फैसले और नए आदेश के बाद 10 प्रतिशत पारस्परिक शुल्कः निर्यातक

नयी दिल्ली। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक शुल्कों को रद्द किए जाने और अमेरिका की ओर से 10 प्रतिशत का अस्थायी आयात शुल्क लगाने के नए आदेश के बाद अब भारतीय वस्तुओं पर 24 फरवरी से केवल 10 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगेगा, जिससे पहले के मुकाबले बोझ काफी कम हो जाएगा। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने 6-3 के बहुमत से दिए फैसले में कहा कि राष्ट्रपति द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए व्यापक शुल्क कानून के दायरे से बाहर थे। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने लिखा। इसे ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के आर्थिक एजेंडे के लिए झटका माना जा रहा है। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद 20 फरवरी को जारी घोषणा में ट्रंप ने कहा कि 24 फरवरी 2026 से 150 दिनों के लिए अमेरिका में आयात होने वाले सामान पर 10 प्रतिशत का अस्थायी आयात शुल्क लगाया जाएगा।

ट्रंप शुल्क के रूप में वसूले गए 133 अरब डॉलर के रिफंड को लेकर अस्पष्टता कायम

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए व्यापक शुल्कों को उच्चतम न्यायालय की तरफ से अवैध करार दिए जाने के बाद इन सीमा शुल्कों के रूप में संग्रहीत 133 अरब डॉलर की राशि को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं हो पाई है। कंपनियां इस शुल्क राशि का रिफंड पाने के लिए कतार में लग गई हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इसकी राह जटिल और लंबी हो सकती है। व्यापार कानून विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी आयातक सीमा शुल्क के रूप में चुकाई गई राशि को आखिरकार वापस पा सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें लंबी कानूनी प्रक्रिया के दौर से गुजरना पड़ सकता है। विंसन एंड एल्किन्स लॉ फर्म में साझेदार और व्यापार वकील जॉयस अडेतुतू ने कहा, 'कुछ समय के लिए यह एक ऊबड़-खाबड़ रास्ते से भरा सफर होने वाला है। क्लार्क हिल फर्म के अधिवक्ताओं का कहना है कि अमेरिकी सीमा शुल्क एजेंसी और सीमा सुरक्षा एजेंसी, न्यूयॉर्क के अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेष न्यायालय और अन्य निचली अदालतों की प्रक्रिया के कारण रिफंड मिलने में समय लग सकता है। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय की एक पीठ ने शुक्रवार को 6-3 के बहुमत से दिए गए फैसले में कहा कि ट्रंप का आपातकालीन शक्तियों के कानून (आईईपीए, 1977) के जरिए दूसरे देशों पर आयात शुल्क लगाने का कदम वैध नहीं था। इस कानून के तहत राष्ट्रपति के पास आयात पर कर लगाने का अधिकार नहीं था। अमेरिकी सीमा शुल्क एजेंसी ने दिसंबर तक आईईपीए के तहत जारी शुल्क आदेशों के तहत कुल 133 अरब डॉलर वसूल किए हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस शुल्क राशि का रिफंड आयातकों को भले ही मिल जाए लेकिन आम लोगों को यह रिफंड मिलना बहुत मुश्किल है।

नवी मुंबई हवाई अड्डे ने डिजियात्रा सुविधा शुरू की

एजेंसी

मुंबई। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) ने वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के लगभग दो महीने बाद 'डिजियात्रा' सेवा शुरू करने की घोषणा की है। निजी हवाईअड्डा संचालक ने एक बयान में शुक्रवार को कहा कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा देश के पांच अन्य हवाईअड्डों के साथ नागर विमानन मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी डिजी यात्रा कार्यक्रम में डिजिटल रूप से शामिल हो गया है। बयान में कहा गया कि उद्घाटन समारोह ऑनलाइन किया गया और इस मौके पर तीन यात्रियों ने प्रतीकात्मक रूप से डिजियात्रा ई-गेट का इस्तेमाल किया और बायोमेट्रिक प्रवेश बिंदुओं पर रिबन काटा। एनएमआईए ने कहा कि डिजी यात्रा हवाईअड्डे पर यात्रियों की प्रवेश प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए चेहरे की पहचान प्रौद्धोगिकी का उपयोग करती है। इससे प्रतीक्षा का समय कम होता है और डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा भी बनी रहती है।

शुद्ध बाजार उधारी वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी के तीन प्रतिशत तक आएगीः आरबीआई बुलेटिन

एजेंसी

मुंबई। सरकार की शुद्ध बाजार उधारी में गिरावट से निजी क्षेत्र के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होने की संभावना है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जारी मासिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, केंद्र सरकार की शुद्ध बाजार उधारी वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी के तीन प्रतिशत तक घटाने का प्रस्ताव है, जो महामारी-पूर्व स्तर की ओर धीरे-धीरे वापसी का संकेत है। इस साल के लिए 17.3 लाख करोड़ रुपये की सकल बाजार उधारी का प्रस्ताव कई लोगों की अपेक्षाओं से अधिक माना गया है। इससे निजी क्षेत्र के लिए उपलब्ध संसाधनों और बजट दिवस पर बाजार में गिरावट को लेकर चिंता हुई। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध बाजार उधारी महामारी से पहले वित्त वर्ष 2019-20 में 4.73 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 2.4 प्रतिशत) थी। यह वित्त वर्ष 2020-21 में बढ़कर 10.33 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 5.2 प्रतिशत) हो गई थी और इसके बाद के वर्षों में महामारी पूर्व स्तर से अधिक रही, जो वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी का 4.1 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 में 3.9 प्रतिशत थी। बुलेटिन के मुताबिक, केंद्र सरकार की शुद्ध बाजार उधारी की जीडीपी के अनुपात में क्रमिक गिरावट महामारी-पूर्व स्तर की ओर निजी क्षेत्र के लिए संसाधनों की उपलब्धता को बढ़ाने में मदद करेगी। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट में सकल बाजार उधारी 17.2 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 4.4 प्रतिशत) और शुद्ध बाजार उधारी 11.7 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का तीन प्रतिशत) रहने का लक्ष्य है। वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध बाजार उधारी 11.63 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 3.5 प्रतिशत) और वित्त-वर्ष 2025-26 में 11.32 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 3.2 प्रतिशत) थी। बुलेटिन के मुताबिक, शुद्ध बाजार उधारी में कमी आने से घरेलू वित्तीय बाजार पर दबाव कम होगा।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

एसआईटी 14 विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों की भूमिका की करेगी जांच

फर्जी डिग्री केस मामला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। बिना परीक्षा दिलाए फर्जी मार्कशीट और डिग्रियां उपलब्ध कराने वाले गिरोह के खुलासे के बाद अब पुलिस पूरे नेटवर्क को जड़ से उखाड़ने की तैयारी में जुट गई है। पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के आदेश पर 14 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। यह टीम उन प्रभावशाली लोगों की भूमिका की पड़ताल करेगी, जो पर्दे के पीछे रहकर इस पूरे रैकेट को संचालित कर रहे थे। सहायक पुलिस आयुक्त विपिन ताडा ने शनिवार को बताया कि गिरोह के सरगना गणित शिक्षक शैलेंद्र की गिरफ्तारी के बाद उससे की गई गहन पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। शुरुआती दौर में वह एडमिशन एजेंट के तौर पर काम करता था, लेकिन बाद में उसने नौ राज्यों की 14 यूनिवर्सिटियों में अपने संपर्क स्थापित कर लिए। इसी नेटवर्क के जरिए छात्रों को बिना परीक्षा दिलाए डिग्री और मार्कशीट उपलब्ध कराई जाती थीं। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि गिरोह बीटेक, बी.फार्मा और एलएलबी जैसी डिग्रियों के लिए तय रकम वसूलता था, जिसमें से करीब 40 प्रतिशत हिस्सा एजेंटों के पास रहता था और शेष राशि विश्वविद्यालयों में कार्यरत क्लर्क व कर्मचारियों तक पहुंचाई जाती थी। हालिया छापेमारी में पुलिस ने 900 से अधिक फर्जी दस्तावेज जब्त किए थे। अब एडिशनल डीसीपी दक्षिण योगेश कुमार की निगरानी में 14 सदस्यीय गठित एसआईटी टीम संबंधित 14 विश्वविद्यालयों से जुड़े कर्मचारियों की भूमिका की जांच करेगी। पुलिस यह भी पता लगाएगी कि गिरोह अपने 'ग्राहकों' तक कैसे पहुंचता था और फर्जीवाड़े की पूरी कार्यप्रणाली क्या थी।

बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर रात 10 बजे के बाद डीजे बजाने वाले 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कानपुर। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर देर रात तक साउंड बजाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया है। रात 10 बजे के बाद तेज आवाज में डीजे बजाने वाले नौ गेस्ट हाउस और मैरिज लॉन के संचालकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए। अब तक जिले के आठ थाना क्षेत्रों में कुल 12 मामले दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। संयुक्त पुलिस कमिश्नर विपिन ताडा ने शनिवार को बताया कि वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) समेत दिल्ली बोर्ड और अन्य बोर्डों की वार्षिक परीक्षाएं जारी हैं। ऐसे में परीक्षार्थियों की तैयारी में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए पुलिस प्रशासन ने पहले ही धारा 163 बीएनएसएस लागू कर रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों (डीजे) के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है। इसके बावजूद कई स्थानों पर नियमों की अनदेखी कर देर रात तक तेज संगीत बजाया जा रहा था, जिससे परिक्षार्थियों को परेशानी हो रही थी। इसके मद्देनजर देर रात तक साउंड बजाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया गया।

अभियान का मुख्य उद्देश्य परीक्षा के दौरान छात्रों को शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है। पहले गेस्ट हाउस संचालकों को समझाने के प्रयास किए गए, लेकिन लगातार नियमों की अनदेखी के बाद यह सख्त कार्रवाई की गई। सबसे गंभीर मामला थाना बिठूर क्षेत्र के मैनावती मार्ग स्थित परेरा ग्रीन लॉन में सामने आया, जहां रात करीब एक बजे तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। स्थानीय निवासियों की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने ध्वनि स्तर अत्यधिक पाया, जिससे सार्वजनिक शांति भंग हो रही थी।

वकीलों ने एसडीएम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर पुतला फूंका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद में एसडीएम मुसाफिरखाना अभिनव कनौजिया और बार एसोसिएशन के मध्य उपजा विवाद शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 54 दिन से लगातार बार एसोसिएशन न्यायिक कार्य से विरत रहकर एसडीएम का विरोध कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को वकीलों ने धरना प्रदर्शन करते हुए तहसील परिसर में एसडीएम का पुतला दहन किया है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया कि एसडीएम अभिनव कनौजिया के भ्रष्ट कारनामों के विरुद्ध आज उनका पुतला दहन किया गया है। उनके द्वारा जो भ्रष्टाचार किया जा रहा है, उनके द्वारा गांव की जमीनों पर कब्जा कराया जा रहा है, मुकदमे के पूर्व ही आदेश पारित कर दिए जा रहे हैं। जिस पत्रावलियों में उन्हें आदेश करने का अधिकार ही नहीं है उसमें वह आदेश पारित करते रहे हैं। इसके लिए हम लोगों ने जिलाधिकारी से जांच के लिए समय दिया था। लेकिन एक महीने से अधिक समय हो गया है अभी तक उन्होंने जांच भी नहीं कराई। ऐसे में पूरे देश प्रदेश एवं जिले का अधिवक्ता समाज क्षुब्ध है। इसके चलते ही हम लोगों ने एसडीएम कनौजिया के भ्रष्ट कारनामे के विरुद्ध उनकी भ्रष्टता का पुतला जलाया है। हम लोगों को प्रदर्शन करते 54 दिन हो गए हैं लेकिन जिला प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव के चलते उप जिलाधिकारी को हटाना नहीं चाह रहे हैं। ऐसे में अधिवक्ता समाज बहुत आहत है। हमारा यह आंदोलन अनवरत रूप से तबतक चलता रहेगा जब तक की एसडीएम के खिलाफ कोई कार्यवाही और स्थानांतरण नहीं हो जाता है।

बनारस में बिकने वाले पान के पत्ता की पैदावार यही के किसान करें : रविन्द्र जायसवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। मंडलीय शाकभाजी, फल एवं पुष्प प्रदर्शनी 2026 और दो दिवसीय जनपद स्तरीय कृषक गोष्ठी में स्टाम्प पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने शनिवार को कहा कि बनारस के किसान पान का पत्ता पैदा करें। हमारी सरकार पूरा सहयोग करेगी। मेरी भी इच्छा है कि बनारस में बिकने वाला पान का पत्ता कि पैदावार यही के किसान करें। वाराणसी के किसानों को आह्वाहन करते हुए मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि बनारस का पान देश ही नहीं बल्कि विदेश तक अपनी पहचान रखता है। बनारस आने वाला व्यक्ति पान का पत्ता में बंद स्वाद का आनंद लेता है लेकिन यह पान का पत्ता हमें बाहर से मंगाना पड़ता है। वाराणसी के किसानों ने जिस दिन पान के पत्ते की ठीक से खेती शुरू करेंगे, मानिए वह खेती किसानी के लिए सबसे स्वर्णिम समय होगा। बनारस के पान के पत्ते को बनारस में ही हम पैदा करेंगे।

एआई समिट विवाद मामले में कांग्रेस और भाजयुमो नेताओं में टकराव, पुलिस ने संभाला मोर्चा

अमेठी। एआई समिट विवाद को लेकर कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आमने-सामने आ गई है। दोनों पार्टियों के नेता एवं समर्थक एक दूसरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने में जुटे हुए हैं। ऐसे में अमेठी में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) और यूथ कांग्रेस के द्वारा जनपद अमेठी के जिला मुख्यालय गौरीगंज में शनिवार को जमकर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी किया। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रही और दोनों का बीच बचाव किया। जिला मुख्यालय गौरीगंज में एक ओर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विषुव मिश्र के नेतृत्व में तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने ''देश के गद्दारों को, जूता मारो सालों'' को कहते हुए राहुल गांधी के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। वहीं दूसरी ओर यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शुभम सिंह मैं आपकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा निशाना साधा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

अमर शहीद धीरज गुप्ता का पार्थिव शरीर पहुंचा घर, अंतिम दर्शन को उमड़ा सैलाब

- भदोही सांसद डॉक्टर विनोद बिंद ने शहीद को अर्पित किया पुष्पचक्र
- जिलाधिकारी शैलेश कुमार और पुलिस अधीक्षक ने भी शहीद जवान को किया नमन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

भदोही। जम्मू कश्मीर के नगरोटा में शहीद जवान धीरज कुमार गुप्ता का पार्थिव शरीर पूरे सैनिक सम्मान के साथ शनिवार को सेना के वाहन से घर लाया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में जवान को अंतिम विदाई देने के लिए सैलाब उमड़ पड़ा। पूरा आसमान अमर शहीद धीरज गुप्ता जिंदाबाद के जयघोष से गूंज उठा।

उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के अग्निवीर धीरज कुमार गुप्ता (26) औराई के जेटुपुर गांव के निवासी रहे। 2023 में अग्निवीर के तहत उनकी नियुक्ति हुई थी। 19 फरवरी बुधवार को जम्बू कश्मीर के नगरोटा में रात आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। उनका पार्थिव शरीर जम्मू-कश्मीर से विशेष वाहन द्वारा लाया गया। शनिवार को रामपुर गंगा घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक धीरज गुप्ता मार्च 2023 में अग्निवीर बने थे और भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात थे। बुधवार रात वे पांच अन्य जवानों के साथ सीमा सुरक्षा में लगे थे, तभी आतंकवादियों ने पीछे से फायरिंग कर दी, जिसमें वे वीरगति को प्राप्त हुए। पार्थिव शरीर के आगमन की सूचना मिलते ही मुख्य मार्गों पर तिरंगे झंडे लगाए गए हैं। औराई में अमर शहीद का पार्थिव शरीर राशि पहुंचते ही हजारों की संख्या में सैलाब उमर पड़ा और लोग धीरज गुप्ता के अंतिम दर्शन के लिए पहुंच गए। इस दौरान अमर शहीद जिंदबाद... जब तक सूरज चांद रहेगा धीरज तेरा नाम रहेगा जैसे नारे आसमान में गूंज रहे थे। सेना के वाहन पर राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा था और अग्नि वीर धीरज गुप्ता की देश के लिए बलिदान की याद दिला रहा था। शहीद के पिता श्यामसुंदर गुप्त का पहले ही निधन हो चुका है। धीरज की शादी 20 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित थी। अमर शहीद धीरज गुप्ता के सम्मान में भदोही सांसद डॉक्टर विनोद बिंद, जिलाधिकारी शैलेश कुमार पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक सहित अन्य गणमान्य लोग और जेटूपुर गांव पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित किया। उस समय माहौल बेहद गमगीन हो गया जब बूढ़ी मां ने तिरंगा ध्वज शाहिद धीरज के लिए अर्पित किया। लोगों की आँखें यह दृश्य देखकर नम हो गई और आसमान में गगन भेजी नारा गूंज उठा धीरज गुप्ता अमर रहे, धीरज गुप्ता अमर रहे। पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार रामपुर घाट पर किया जाएगा। इस दौरान जिला प्रशासन की तरफ से सारी तैयारियां पूरी की गई हैं।

सेमरदहा कांड के एक दोषी को 10 वर्ष कारावास की सजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में लड़की को प्रेम जाल में फंसा कर वीडियो बनाने के बाद वायरल करने के कारण हुई तीन मौतों की घटना में जनपद न्यायाधीश शेषमणि ने फैसला सुनाया। उन्होंने आत्महत्या के लिए उकसाने के एक दोषी को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई और 10000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्याम सुंदर मिश्रा ने शनिवार को बताया कि इस चर्चित मामले में बहिलपुरवा थाने के सेमरदहा गांव के निवासी अनिल कुमार ने बीती 14 मार्च 2023 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दी गई तहरीर में वादी ने बताया था कि उसके चाचा ने 13 मार्च 2023 को दोपहर के समय अपनी लाइसेंसी दोनाली बंदूक से अपनी बेटी और पत्नी को गोली मार कर हत्या कर दिया। इसके बाद उन्होंने घर से बाहर जाकर एक पेड़ में फंदे के सहारे फांसी से लटक कर आत्महत्या कर ली। वादी के अनुसार उनके चाचा की बेटी को माराचंद्रा गांव ने निवासी पंकज यादव ने बहला फुसलाकर कर उसके साथ आपत्तिजनक वीडियो बना लिया था। इसके बाद ब्लैकमेल करने के उद्देश्य से उसने अश्लील वीडियो वायरल कर दिया था। उसके चाचा इस घटना से इतने आहत हुए कि उन्होंने पत्नी और बेटी को मौत के घाट उतार दिया और इसके बाद स्वयं आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपित को गिरफ्तार का जेल भेज दिया था। इसके बाद से आरोपित अब तक जेल में बंद है। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद आज जनपद न्यायाधीश शेषमणि ने निर्णय सुनाया। जिसमें दोषी पंकज यादव को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा के साथ 10 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है।

भाजयुमो ने राहुल गांधी का पुतला फूंककर किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने मुख्यालय स्थित धनुष चौराहा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया। इसके पहले भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग को लेकर सदर एसडीएम पूजा साहू को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भाजयुमो के जिलाध्यक्ष हीरो मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस ने अश्लीलता फैलाकर असली चरित्र का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस ने देश का विरोध करना भी शुरू कर दिया है। कांग्रेस को इस विचार से बाहर निकलना चाहिए। हीरो मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के इस प्रदर्शन से देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई है। इस पर कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए। इस मौके पर वरिष्ठ बीजेपी नेता आनंद त्रिपाठी, श्याम गुप्ता, पवन बद्री सहित आधा सैकड़ा कार्यकर्ता मौजद रहे। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं ने 'टॉपलेस' होकर इंडो-यूएस ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में नारेबाजी भी की थी। इसी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने आज विरोध के दौरान राहुल गांधी का पुतला दहन कर देशभर में अपनी नाराज़गी दर्ज कराई जा रही है।

संभल में तैयार हर्बल गुलाल चेहरे के लिए सुरक्षित और पर्यावरण मित्र होली की बेहतर पहल

- सुरक्षित रंग, प्राकृतिक खुशबू और रोज़गार के साथ हर्बल गुलाल होली के पर्व को सचमुच बना रहा खुशियों का त्योहार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

संभल। होली के रंग जहां खुशियां लाते हैं, वहीं केमिकल युक्त गुलाल कई बार त्वचा, आंख और बच्चों के लिए नुकसानदेह साबित होता है। इसी समस्या को देखते हुए उत्तर प्रदेश के जनपद संभल के रहने वाले हर्ष गुप्ता ने पूरी तरह हर्बल और ऑर्गेनिक गुलाल बनाने की पहल की। उनकी यह पहल आज उप्र तक में सीमित नहीं रही बल्कि 10 से 12 राज्यों में लोगों की पसंद बन चुका है।

होली रंगों का त्योहार है। होली का पर्व नजदीक आते ही हाथरस के रंगों की बात लोगों की जुबान पर आ जाती है, लेकिन अब उत्तर प्रदेश का संभल भी इससे पीछे नहीं है। पिछले 40 वर्षों से संभल में रंग तैयार हो रहा है और यह रंग भारत देश के 10 से 12 राज्यों में जाता है। पहले उत्तर प्रदेश क्या अन्य राज्यों के लोग भी रंग लेने के लिए हाथरस जाते थे, लेकिन अब संभल के रंगों की डिमांड प्रदेश सहित अन्य राज्यों में बढ़ती जा रही है। रंगों के विषय में हर्ष गुप्ता बताते हैं कि हर्बल गुलाल बनाने का विचार इसलिए आया ताकि लोग बिना किसी डर के होली खेल सकें। इस गुलाल में पोटैटो स्टार्च (आलू का आटा) और कॉर्न स्टार्च (मक्का का आटा) का इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें फूड कलर और अहमदाबाद व कन्नौज के फूलों की प्राकृतिक खुशबू मिलाई जाती है। तैयार मिश्रण को खेतों में तिरपाल पर 7ऽ8 दिन तक प्राकृतिक धूप में सुखाया जाता है। फिर उसकी पिसाई कर अलग-अलग पैकिंग में बाज़ार भेजा जाता है। करीब 28 साल पहले फैक्ट्री स्तर पर शुरू हुआ यह काम, अनुभव के लिहाज़ से आज 40545 साल का सफर तय कर चुका है। यहां रोजाना 2 से ढाई टन तक गुलाल तैयार होता है। बच्चों के लिए खासतौर पर स्किन-लविंग और एलर्जी-फ्री गुलाल, गुलाल की पिचकारी, चॉकलेट, मिंट और नारियल खुशबू वाले रंग भी बनाए जाते हैं। हर्ष ने बताया कि हर्बल गुलाल न सिर्फ सुरक्षित है बल्कि पर्यावरण के लिए भी बेहतर है, क्योंकि यह मिट्टी में घुल जाता है और पानी को प्रदूषित नहीं करता। होली के सीज़न में इस फैक्टरी से 40550 स्थानीय लोगों को रोज़गार भी मिलता है। हर्ष गुप्ता के मुताबिक उनका गुलाल खास तौर पर उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और बरेली समेत कई जिलों में सबसे ज़्यादा पसंद किया जाता है। प्राकृतिक तरीके से बनने और अधिक मेहनत लगने के कारण हर्बल गुलाल आम गुलाल से थोड़ा महंगा जरूर है, लेकिन सेहत और पर्यावरण के लिहाज़ से यह कहीं बेहतर विकल्प साबित हो रहा है।